राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार, 22 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–236 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हंसाते-हंसाते रुला गए राजू

राजू श्रीवास्तव का दिल्ली एम्स में निधन: हार्ट अटैक के बाद 42 दिन से चल रहा था इलाज

नई दिल्ली। गजोधर भैया अपनी जिंदगी के मंच से उतर गए। सामने लोग बैठे रहे और काला पर्दा झूल गया। राजू श्रीवास्तव की बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने की खबरें बनते-बनाते आखिरी खबर आ गई। बुधवार सुबह 10 बजे के करीब दिल्ली एम्स में उनका निधन हो गया। उमर 58 साल थी। दिल्ली में ही 10 अगस्त को एक्सरसाइज करते उन्हें हार्ट अटैक आया था। उसके बाद से ही एम्स में भर्ती थे। इलाज में पता चला था कि दिल के एक हिस्से में 100% ब्लॉकेज है। पिछले 42 दिनों में कई बार बेहतर होती सेहत की खबरें आती रहीं। लेकिन आखिरकार आखिरी खबर आईङ्ग राजू चला गया, ये कहते हुए कि जिंदगी में ऐसा काम करो कि यमराज भी आएं तो कहें कि भैंसे पर आप बैठिए, मैं पैदल चलूंगा.. आप नेक आदमी हैं। ङ्घये राजू की ही कही है। 1. राजू कानपुर के रहने वाले हैं। लेकिन, उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही 22 सितंबर, यानी गुरुवार को सुबह 9:30 बजे निगमबोध घाट पर किया जाएगा। 2. प्रधानमंत्री मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई बड़ी हस्तियों ने राजू के निधन पर शोक जताया है। मोदी बोले- राजू ने हास्य के साथ हमारी जिंदगी को रोशन किया। सपना हीरो बनने का था और उसका पीछा करते राजू 1982 में मुंबई आ गए। लेकिन जिंदगी तो जिंदगी है। पहला काम ऑटो ड्राइवर का मिला। लेकिन अपना काम वहां भी जारी रखा। अपने चुटकुलों से सवारियों को हंसाते और मंजिल पर पहुंचाते। ऐसे ही एक दिन एक सवारी ने पहला स्टेज परफॉर्मेंस दिला दिया। पैसे मिले 50 रुपए। फिर तो ऐसा बारहा होने लगा। राजू ज्यादातर समय अमिताभ की नकल करते और उन्हीं की तरह दिखने की कोशिश भी होती। यही पहचान बनती गई। फिल्म में मौका मिला 1988 में आकर, तेजाब से। हीरो अनिल कपूर थे। जॉनी लीवर के साथ राजू भी दिखे। गांव में एक नाई थे गजोधर। उनके सीने पर गिटार बना था। कहते थे कि खुजली करने पर बजता है। यही किरदार राजू ने अपनाया। घर पर मेहमानों की और स्कूल में टीचरों की मिमिक्री। कोई शैतान और बदतमीज कहता, तो कोई शाबाशी देता। राजू कानपुर के रहने वाले थे। 25 दिसंबर 1963 को जन्मे, नाम रखा गया सत्य प्रकाश श्रीवास्तव। पिता रमेश चंद्र श्रीवास्तव सरकारी कर्मचारी थे और शौकिया तौर पर कविताएं लिखते। छुट्टियों में पिता कवि सम्मेलनों में जाते। वहां बलाई काका नाम से पहचाने जाते। तो राजू का ये हुनर विरासती था। 1993 में राजू की शादी हुई। पत्नी शिखा, दो बच्चे अंतरा और आयुष्मान हैं। राजू की एक बहन और 5 भाई हैं। राजू ने 17 फिल्मों में काम किया। शुरूआत तेजाब से हुई। वो दौर टिपिकल हीरो वाली फिल्मों का था, जिसमें लीड हीरो को देखने के लिए ही लोग टॉकीज जाते थे। लेकिन इसी दरमियान एक नॉर्मल से चेहरे ने लोगों को अपनी ओर खींचा। 10 अगस्त को दिल्ली में

राजू को हार्ट अटैक आया था। शाम को डॉक्टरों ने उनकी एंजियोप्लास्टी की, लेकिन उनका ब्रेन रिस्पांस नहीं कर रहा था। डॉक्टरों की जांच में निकला कि हार्ट के एक हिस्से में 100% ब्लॉकेज है। वेंटिलेटर पर रखा गया। अभी 15 दिन पहले होश आने की खबर आई थी।

सोनिया गांधी से मिलने पहुंचे अशोक गहलोत

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। बुधवार को राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत सोनिया गांधी से मिलने दिल्ली पहुंचे। माना जा रहा है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में उनका नाम सबसे आगे है। उन्होंने खुद मीडिया से चर्चा में माना है कि वे राहुल गांधी को मनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन वे नहीं माने तो पार्टी चाहेगी तो वे अध्यक्ष बनने से इनकार नहीं कर सकेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, ह्यमैं आखिरी बार राहुल जी से आग्रह करूंगा कि वे कांग्रेस के अध्यक्ष बनें, उसके बाद मैं फैसला करूंगा। पार्टी ने मुझे सबकुछ दिया है, जो भी जिम्मेदारी मिलेगी वह मैं निभाऊंगा। अगर पार्टी को लगता है कि मेरी अध्यक्ष के रूप में जरूरत है तो मैं मना नहीं कर पाऊंगा।ह्य दिल्ली पहुंचे गहलोत ने यह भी कहा कि वह कोच्चि जाकर राहुल गांधी को इस बात के लिए मनाने का प्रयास करेंगे कि वे पार्टी अध्यक्ष का पद संभालें। उनका कहना था कि राहुल गांधी से बातचीत करने के बाद ही वे तय करेंगे कि आगे क्या करना है। गहलोत ने कहा, ह्यमुझे कांग्रेस की सेवा करनी है। जहां भी मेरा उपयोग है, मैं वहां तैयार रहूंगा। अगर पार्टी को लगता है कि मेरी मुख्यमंत्री के रूप में जरूरत है या अध्यक्ष के रूप में ज्यादा जरूरत है तो मैं मना नहीं कर पाऊंगा। उधर, अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के इच्छुक बताए जा रहे वरिष्ठ नेता शशि थरूर भी आज कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री से मुलाकात की। थरूर समेत कई नेता कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के पात्र मतदाताओं की सूची प्रत्याशियों को देने की मांग कर चुके हैं। माना जा रहा है कि थरूर इसी सिलसिले में आज मिस्त्री से मिलने पहुंचे।

सीबीआई ने टेप केस में नीरा राडिया को क्लीन चिट दी

सुप्रीम कोर्ट को किया सूचित

नई दिल्ली। सीबीआई ने कॉरपोरेट लॉबिस्ट नीरा राडिया को टेपिंग मामले में क्लीन चिट दे दी है। सीबीआई के अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि पूर्व कॉरपोरेट लॉबिस्ट नीरा राडिया के खिलाफ उनके राजनेताओं, वकीलों, पत्रकारों और उद्योगपतियों के बीच हुई बातचीत की टेप की सामग्री की जांच में उसे कोई आपत्तिजनक बात नहीं मिली है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) के अधिवक्ता ने कॉरपोरेट लॉबिस्ट नीरा राडिया को 8,000 अलग-अलग टेप बातचीत से संबंधित मामले में क्लीन चिट देते हुए कहा है कि उसने इससे जुड़े 14 मामले में प्रारंभिक जांच की थी पर कोई मामला नहीं बनने के कारण प्रारंभिक पूछताछ बंद कर दी गई। बता दें कि जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच नीरा राडिया बनाम रतन टाटा मामले की सुनवाई कर रही है। इस याचिका में 84 वर्षीय उद्योगपति ने लॉबिस्ट नीरा राडिया और टाटा समूह के बॉस सहित अन्य व्यक्तियों के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत को मीडिया आउटलेट्स की ओर से प्रकाशित किए जाने के बाद अपने निजता के अधिकार की रक्षा की मांग की है। मामले में पेश होने वाले वकीलों में सिद्धार्थ लूथरा, एएसजी ऐश्वर्या भाटी और प्रशांत भूषण शामिल हैं। सुनवाई के दौरान एएसजी भाटी ने कहा कि निजता के अधिकार मामले में फैसला आने के बाद अब इस केस में कुछ भी नहीं बचा है, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मामले में पहले भी सीबीआई जांच करने का आदेश दिया गया था। वहीं दूसरी ओर, याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने पीठ को बताया कि वह अन्य मामलों में व्यस्त हैं और चाहते हैं कि इस विषय पर बहस हो। इसके बाद पीठ ने इस मामले को पास ओवर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सीबीआई को कॉरपोरेट लॉबिस्ट नीरा राडिया की इंटरसेप्टेड बातचीत की जांच पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने कहा है कि हम इस मामले में अब छुट्टियों के बाद सुनवाई करेंगे क्योंकि अगले सप्ताह एक संविधान पीठ है। इस बीच सीबीआई मामले में एक अद्यतन स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर सकती है।

बीएचयू में आंदोलन: छात्र ने किया आत्मदाह का प्रयास तो यूनिवर्सिटी ने दिया परीक्षा का विकल्प

वाराणसी। बीएचयू में सेमेस्टर परीक्षाओं की घोषित तिथि के विरोध में जारी आंदोलन के बीच बीए प्रथम वर्ष के छात्र पंचानन तिवारी ने आत्मदाह का प्रयास किया। बारिश और मुस्तैद सुरक्षाकर्मियों के कारण अनहोनी टल गई। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों को परीक्षा देने या न देने का विकल्प दिया। अब बुधवार को होने वाली भाषा की परीक्षा न देने वाले छात्रों को दोबारा मौका दिया जाएगा। परीक्षा तिथि जल्द जारी होगी। इसके बाद विद्यार्थियों ने धरना खत्म कर दिया। सिलेबस और परीक्षा शिड्यूल को लेकर बीएचयू कला संकाय के प्रथम वर्ष के छात्र मंगलवार को दूसरे दिन भी केंद्रीय कार्यालय के सामने धरने पर बैठे रहे। रात 8 बजे के आसपास मामला अचानक उस समय गरमा गया जब एलबीएस हॉस्टल में रहने वाले बीए प्रथम वर्ष के छात्र पंचानन तिवारी ने धरनास्थल पर खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया। छात्र ने माचिस जलाई मगर बारिश के कारण तीली नहीं जली। इतने में सुरक्षाकर्मियों ने उसे दबोच लिया और उसके हाथ से माचिस छीन ली।

विकास की संभावना तलाशने अयोध्या पहुंचे कई देशों के निवेशक

दो बिलियन डालर का हो सकता है निवेश

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण के साथ अयोध्या में पर्यटन उद्योग गति पकड़ते हुए दिखाई दे रहा है। यहां पर्यटन विकास की अपार संभावनाओं को देखते हुए निवेशक आकर्षित होने लगे हैं। प्रदेश में पर्यटन उद्योग को बढ़ाने में केंद्र के साथ प्रदेश सरकार भी पहल कर रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को पांच देशों का प्रतिनिधत्वि करने वाले करीब एक दर्जन निवेशक अयोध्या पहुंचे। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के तत्वावधान में यहां आए प्रतिनिधियों को रामजन्मभूमि व हनुमानगढ़ी का दर्शन कराया गया। पुनः उन्हें अलग-अलग परियोजनाओं के लिए हाईवे के किनारे जमीन भी दिखाई गयी। इसके पहले यहां पहुंचे विदेशी मेहमानों का स्वागत पर्यटन विभाग के होटल साकेत सरयू में क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी व उपनिदेशक आरपी यादव व उनके सहयोगी अमरेश यादव ने किया। पुनः इन्हें सरयू तट पर स्थित कोरियाई स्मारक के निकट पर्यटन विभाग की ओर से अधग्रिहीत 30 एकड़ भूमि का अवलोकन कराया गया। मांझा बरहटा में भगवान राम की 251 मीटर वशि्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापना के लिए पूर्व में अधग्रिहीत 80 एकड़ भूमि का भी अवलोकन कराया। गया। इसी श्रृंखला में शाहनवाज पुर में आवास विकास परिषद की ओर से प्रस्तावित ग्रीन फील्ड टाउनशिप का भी दग्दिर्शन कराया गया। इस दौरान उनके साथ उपनिदेशक पर्यटन यादव ने आवश्यक जानकारी साझा की। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक राजेन्द्र प्रसाद का कहना है कि लखनऊ में नवम्बर-दिसम्बर में प्रस्तावित इनवेस्टर्स समिट में अलग-अलग परियोजनाओं को लेकर एमओयू होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यहां आए निवेशक थीम पार्क, लाइट शो, रिसार्ट डेवलपमेंट, वेलनेस सेंटर, रिन्यूवल एनर्जी, कौशल विकास, फिल्म-मीडिया के अलावा एफएमसीजी आदि क्षेत्रों में निवेश के लिए इच्छुक हैं। इस क्षेत्र में दो बिलियन यूएस डालर के निवेश की संभावना है। इसी को लेकर विदेशी निवेशकों को अयोध्या समेत प्रदेश के अन्य शहरों का भ्रमण कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के दौरे पर आए इनवेस्टर्स दल का नेतृत्व यूएसए की फैनकान फिनीक्स ग्रुप की सीईओ माली फाल्कनर कर रही है। अयोध्या दर्शन के लिए आए दल में माली के अतिरक्ति जापान के टाकिटा योशिनोरी, कोरिया गणराज्य की हिलेन-जुंग-हे, दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना के फ्रांसिस ओलिवर व क्यूम्बर बैच, वियतनाम के एलेक्स आंद्रे, कैलीफोर्निया के शाणडल पैट्रिक, पेरु की जेसिका वल्किान, इक्वाडोर की मारिया एंजिल लडोरा व ठाणे महाराष्ट्र के हर्ष चौहान सहित अन्य विदेशी प्रतिनिधि शामिल रहे।

लॉजिस्टिक्स पॉलिसी को कैबिनेट ने दी मंजूरी, सेमीकंडक्टर इकाइयों को 50% प्रोत्साहन राशि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई जिसमें तीन निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2022 को मंजूरी दे दी है। यह रसद सेवाओं में अधिक दक्षता के लिए यूलिप, मानकीकरण, निगरानी ढांचे और कौशल विकास की शुरूआत करेगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि इसका मकसद लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रैंकिंग में सुधार करना और वर्ष 2030 तक देश को शीर्ष 25 देशों में शामिल कराना है। इसके साथ ही मंत्रीमंडल ने उच्च दक्षता वाले सोलर पीवी मॉड्यूल ट्रांस-2 के लिए ढछक स्कीम को मंजूरी दे दी है। इसके लिए 19,500 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया। साथ ही 14 क्षेत्र में ढछक स्कीम लाई गई है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस बात की जानकारी दी है। कैबिनेट ने इसके साथ ही सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए कार्यक्रम में संशोधनों को भी मंजूरी दी है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा है कि इसके तहत प्रौद्योगिकी नोड्स के साथ-साथ मिश्रित अर्धचालक, पैकेजिंग और अन्य अर्धचालक सुविधाओं के लिए सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को 50% प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

मदरसों के बाद वक्फ संपत्तियों की भी होगी जांच, योगी सरकार ने रद्द किया 33 साल पुराना आदेश

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार ने वक्फ बोर्ड का 33 साल पुराना शासनादेश रद कर दिया। वक्फ के नाम पर बंजर, ऊसर, भीटा जैसी सार्वजनिक सम्पत्ति को हथियाने वालों की मनमानी अब नहीं चल पाएगी। प्रदेश की योगी सरकार ने 7 अप्रैल 1989 को इस बाबत जारी एक विवादित शासनादेश को निरस्त कर दिया है। यही नहीं 7 अप्रैल 1989 के बाद वक्फ सम्पत्ति के रूप में दर्ज सभी मामलों का पुर्नपरीक्षण भी करवाया जाएगा। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने इस पुराने शासनादेश पर आपत्ति दर्ज करते हुए शासन को इसको निरस्त करने का एक प्रतिवेदन भेजा था, जिसे स्वीकार करते हुए प्रदेश सरकार ने एक नया शासनादेश जारी किया है। इस नए शासनादेश के अनुसार 1989 के शासनादेश के तहत सामान्य सम्पत्ति (बंजर, ऊसर, भीटा आदि) को वक्फ सम्पत्ति के रूप में राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर लिये जाने की शिकायतों के मद्देनजर पुर्न परीक्षण करवाया जाएगा। इस बारे में सभी मण्डलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिये गये हैं। प्रदेश सरकार के उप सचिव शकील अहमद सिद्दीकी की ओर से जारी इस शासनादेश में कहा गया है कि शासन के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि राजस्व विभाग के 7 अप्रैल 1989 के एक शासनादेश के आधार पर प्रदेश में सामान्य भूमि जैसे-बजंर, ऊसर, भीटा आदि को भी वक्फ सम्पत्ति के रूप में दर्ज करके राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने की अनियमितताएं हो रही हैं।

यूपी विधानसभा सदन में अखिलेश ने उठाया आजम खान का मुद्दा, बोले- बहुत मिल चुकी सजा...

लखनऊ। यूपी विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सपा सदस्यों ने हंगामा किया। सदन शुरू होते ही प्रश्नकाल के पहले ही सपा नेता माता प्रसाद पांडेय ने आजम खां का मुद्दा उठाया। आजम खान का उत्पीड़न हो रहा है। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने आजम खान पर बोलते हुए कहा कि भाजपा आजम का उत्पीड़न कर रही है। अखिलेश ने कहा कि आजम खान को और प्रताड़ित न करे। उन्हें काफी सजा मिल चुकी है। उन पर बदले की भावना से फर्जी मुकदमे दर्ज हो रहे हैं। इस पर मंत्री सुरेश खन्ना जवाब देते हुए कहा कि कोई मुकदमा फर्जी नहीं है। कानून से ऊपर कोई नहीं है। बदले की भावना से काम करने का आरोप गलत है। हम खण्डन करते हैं। जिसने गवाही दी है वह उसी जाति का है, मुकदमा लिखाया गया उसी जाति का है। गवाह को गवाही देने जिस दिन जाना था, तो सुबह लोगों ने पहुंच कर धमकाया गया, इस मामले में कोतवाली में मुकदमा लिखा गया है। विवेचना चल रही है। पीड़ित ने मुकदमा लिखाया । कानून से ऊपर कोई नहीं, कानून सब के लिए बराबर है। मशीन मामले में दो लोग पकड़े गए थे, उन्होंने जानकारी दी सब के सामने दिन में वीडियोग्राफी करा कर निकाला गया। मुकदमा लिखाया गया। इस पर अखिलेश यादव बीच में बोले कि 5 साल से मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी सरकार की देखरेख में है। इससे पहले विधानसभा के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा कराने को लेकर सपा सदस्यों ने थोड़ा हंगामा किया था और वेल में आ गए। मंगलवार को सुबह 11 बजे जब सदन बैठा तो नेता प्रतिपक्ष व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं ठप है। पहले स्वास्थ्य सेवाएं पर चर्चा हो। स्पीकर सतीश महाना ने कहा कि किस नियम में आप यह मुद्दा उठाना चाहते है। अखिलेश ने नियम 311 का हवाला दिया। महाना ने कहा कि यह नियम क्या है। आप जानते हैं तो बता दीजिये। अखिलेश ने कहा कि अगर हम नियम नहीं जानते तो आप बता दीजिये। इस पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडे व वरिष्ठ सदस्य लाल जी वर्मा ने नियमों का हवाला दिया। अखिलेश ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं पर मानवाधिकार आयोग ने सरकार को नोटिस दे रखा है। महाना ने कहा कि नियम 311 को मैं अग्राह्य करता हूं।

संपादकीय

यह कोहराम इसलिए शुरु हुआ है कि महसा आमीनी (22 साल) नामक युवती को तेहरान में गिरफ्तार कर लिया गया था, क्योंकि उसने हिजाब नहीं पहना हुआ था। गिरफ्तारी के तीन दिन बाद 16 सितंबर को जेल में ही उसकी मौत हो गई। उसके सिर तथा अन्य अंगों पर भयंकर चोट के निशान थे।

ईरान में हिजाब पर कोहराम

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

मुस्लिम औरतें हिजाब पहने या नहीं, इस मुद्दे को लेकर ईरान में जबर्दस्त कोहराम मचा हुआ है। जगह-जगह हिजाब के विरुद्ध प्रदर्शन हो रहे हैं। कई लोग हताहत हो चुके हैं। तेहरान विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हड़ताल कर दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खोमनई के खिलाफ खुले-आम नारे लग रहे हैं। विभिन्न शहरों और गांवों में हजारों पुलिसवाले तैनात कर दिए गए हैं। ऐसा लग रहा है कि ईरान में शहंशाह के खिलाफ जो माहौल सन 1975-78 में देखने में आया था, उसकी पुनरावृत्ति हो रही है। कई बड़े शिया नेता भी हिजाब का विरोध करने लगे हैं। यह कोहराम इसलिए शुरु हुआ है कि महसा आमीनी (22 साल) नामक युवती को तेहरान में गिरफ्तार कर लिया गया था, क्योंकि उसने हिजाब नहीं पहना हुआ था। गिरफ्तारी के तीन दिन बाद 16 सितंबर को जेल में ही उसकी मौत हो गई। उसके सिर तथा अन्य अंगों पर भयंकर चोट के निशान थे। इस दुर्घटना ने ईरान की महिलाओं में रोष फैला दिया है। हजारों छात्राओं ने अपना हिजाब उतारकर फेंक दिया। आयतुल्लाह खुमैनी के शासन (1979) के पहले और बाद में मुझे ईरान में रहने और पढ़ाने के कई मौके मिले। शहंशाह-ईरान के राज में औरतों की वेश-भूषा में इतनी छूट थी कि तेहरान कभी-कभी लंदन और न्यूयार्क की तरह दिखाई पड़ता था। मेरे इस्लामी मित्रों में कई नेता, प्रोफेसर, पत्रकार और आयतुल्लाह भी थे। वे कहा करते थे कि हम शिया मुसलमान हैं। हम आर्य हैं। हम अरबों की नकल क्यों करें? अब तो ईरान में कट्टर इस्लामी राज है लेकिन लोग खुले-आम कह रहे हैं कि हिजाब, बुर्का, नक़ाब या अबाया को कुरान-शरीफ में कहीं भी जरुरी नहीं बताया गया है। इसके अलावा डेढ़ हजार साल पहले अरब देशों में जो वेशभूषा, भोजन और जीवन-पद्धति थी, उसकी आज भी हू-ब-हू नकल करना कहाँ तक ठीक है? यूरोप के तो कई देशों में हिजाब और बुर्के पर कड़ी पाबंदी है। जो इस पाबंदी को नहीं माने, उसको दंडित भी किया जाता है। बुर्के और हिजाब में चेहरा छिपाकर बहुत-से आतंकवादी, तस्कर और अपराधी लोग अपना काम-धंधा जारी रखते हैं। वास्तव में बुर्का और हिजाब तो स्त्री-जाति के अपमान का प्रतीक है। असली सवाल यह है कि सिर्फ औरतें ही अपना मुँह क्यों छिपाएँ? यह नियम मर्दों पर भी लागू क्यों नहीं किया जाता? यदि यह इस्लामी नियम है तो मैं पूछता हूं कि क्या बेनजीर भुट्टो, मरियम नवाज और इंडोनेशिया की सुकर्ण-पुत्री मेघावती मुसलमान नहीं मानी जाएंगी? यदि यही नियम सख्ती से लागू किया जाए तो सारे सिनेमा घर बंद करने होंगे। इस्लामी देश तो कला के कब्रिस्तान बन जाएंगे। इसीलिए लगभग दर्जन भर इस्लामी देशों में हिजाब और बुर्का वगैरह को हतोत्साहित किया जाता है। भारत के स्कूल की छात्राओं के लिए भी हिजाब की मांग करना सर्वथा अनुचित है। ईरान की इस्लामी सरकार अपने आप को देश और काल के अनुरुप बनाए, यह बेहद जरुरी है। वरना वे लोगों को इस्लाम के प्रति उदासीन कर देंगे।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

डाँक्टर (एक वृद्ध व्यक्ति से), 'मैं आपको ऐसी दवाई दूंगा कि आप फिर से जवान हो जाएंगे।'

वृद्ध व्यक्ति (हाथ जोड़ते हुए), 'डाँक्टर साहब ऐसा बिल्कुल मत करना, वरना मैं मुसीबत में पड़ जाऊंगा। मेरी पैंशन बंद हो जाएगी।'

□ □ □

'आज मैंने एक भयानक सपना देखा। मैं एक पार्टी में गया हूँ। वहां खाने को केक, पेस्ट्री, चॉकलेट, आईसक्रीम और पता नहीं क्या-क्या था।' प्रिंस ने कहा।'

सौरभ नागपाल,'तो फिर?'

प्रिंस 'फिर क्या? कुछ भी खाने से पहले मेरी नींद खुल गई।'

□ □ □

एक बस में एक भिखारी चढ़ा और एक आदमी से भीख मांगने लगा।

आदमी, 'खुले नहीं दस का हैं।'

भिखारी, 'मेरे पास हैं दस के खुले।'

आदमी, 'खुले नहीं हैं यार पाँचों का हैं।'

भिखारी, 'मेरे पास खुले हैं।'

आदमी (झुंझला कर बोला), 'मेरे पास एक फूटी कौड़ी नहीं हैं।'

भिखारी, 'तो टाइम खराब करने की क्या जरूरत थी। पहले ही बोल देता कि स्टाफ का हैं।'

□ □ □

बिहार तख्ता पलट-संभावनायें और सीमा

लेखक- -राकेश कुमार वर्मा

अब कुछ मित्रों ने बिहार के तख्ता पलट के बाद देश में राजनीतिक बदलाव की भारी उम्मीदें पालना शुरू कर दिया है। श्री नीतीश कुमार ने अब केन्द्र से भाजपा को हटाने का लक्ष्य घोषित किया है। और सार्वजनिक रूप से बयान दे रहे हैं, की अब वह भाजपा के साथ कभी नहीं जायेंगे हालांकि उनके लिये ऐसे बयान और कसमों का कोई अर्थ नहीं है, क्योंकि वह जानते हैं, की जन स्मृति बहुत कमजोर होती है और अगर मीडिया या ताकतवर समूह उसे निरंतर ना कुरेदे तो वह सब पुराने पाप भूल जाती हैं।

बिहार के तख्ता पलट पर लिखने के लिये मुझसे कई मित्रों ने अनेक बार आग्रह किया था। परन्तु मैं इस वक्ती घटना पर लिखने से बचता रहा। एक तो इसलिये की सरकारों के दलबदल की घटनायें अब बहुत आम हो गई हैं। यह प्रयोग 1980 में कांग्रेस पार्टी ने स्व. भजनलाल की सरकार को दलबदल कराकर शुरू किया था और अब इसे थोड़े से भिन्न रूप में भारतीय राजनीती में भा.ज.पा. व अन्य दलों द्वारा किया जा रहा है। यह गणेश चतुर्थी के पर्व का समय है, किंवदंती बताई जाती है की गणेश के सिर को भगवान शंकर ने हाथी के धड़ के साथ जोड़ दिया था। आज कल यह प्रयोग राजनीती में होने लगा है। धड़ किसी का सिर किसी का। महाराष्ट्र में चुनाव के बाद शिवसेना के सिर को एन.सी.पी. कांग्रेस की युति के धड़ से जोड़ दिया गया है। बिहार में चुनाव के बाद जदयू और आर.जे.बी. की सरकार बनी परन्तु कुछ ही समय के पश्चात् नीतीश जी का सिर भाजपा के धड़ के साथ जुड़ गया और जो काम भगवान शंकर नहीं कर सके वह काम बिहार की राजनीति ने कर दिखाया कि नीतीश जी के सिर को पुन बी.जे.पी. के धड़ से काटकर फिर राजद के धड़ के साथ जोड़ दिया। राजनैतिक, सिद्धांतहीनता का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है। मंगनी कहीं ब्याह कहीं अब इन घटनाओं पर कुछ लिखना अर्थहीन सा हो गया है। जो नीतीश कुमार कल तक देश के धर्म निरपेक्ष धड़े के द्वारा साम्प्रदायिक घोषित किये जा रहे थे वह अब रातों रात धर्म निरपेक्ष हो गये हैं, और भाजपा का धड़ा जिन्हें अपना मुखिया कहता था अब वही उनको खलनायक कह रहा है। दरअसल हमारे देश में धर्म निरपेक्षता या साम्प्रदायकिता गुण आधारित नहीं है, बल्कि कक्ष आधारित है। आप एक कक्ष में बैठकर धर्म निरपेक्ष हो जाते हैं और दूसरे कक्ष में जाकर साम्प्रदायिक हो जाते हैं। व्यक्ति चहरा, मोहरा सब वही रह जाता है। आश्चर्य तो तब होता है की जब जनमत जो वास्तव में अपने जातीय और धर्म समूह के वर्चस्व और श्रेष्ठता के लिये लालायित रहता है, ऐसे अनैतिक बदलावों को स्वीकार कर लेता है और उनका समर्थन करता है। इसलिये अब दल और दल बदलुओं को कोई भय नहीं है। अब कुछ मित्रों ने बिहार के तख्ता पलट के बाद देश में राजनीतिक बदलाव की भारी उम्मीदें पालना शुरू कर दिया है। श्री नीतीश कुमार ने अब केन्द्र से भाजपा को हटाने का लक्ष्य घोषित किया है। और सार्वजनिक रूप से बयान दे रहे हैं, की अब वह भाजपा के साथ कभी नहीं जायेंगे हालांकि उनके लिये ऐसे बयान और कसमों का कोई अर्थ नहीं है, क्योंकि वह जानते हैं, की जन स्मृति बहुत कमजोर होती है और अगर मीडिया या ताकतवर समूह उसे निरंतर ना कुरेदे तो वह सब पुराने पाप भूल जाती हैं। भाजपा इस घटनाक्रम पर हतप्रभ है। क्योंकि वह स्वत÷ ऐसे खेल दोहरा चुकी है। महाराष्ट्र में, मध्यप्रदेश में वह इन दलीय दलबदलों को स्वतः प्रयोग में ला चुकी है। महाराष्ट्र में तो श्री अजीत पंवार को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने के लिये उनके विरूद्ध सी.बी.आई. के द्वारा दर्ज केस भी वापस कर लिया गया था। निसंदेह केन्द्र सरकार सी.बी.आई. और ई.डी. का प्रयोग भाजपा के दलीय हितों के लिये कर रही है। और अब स्थिति यह है कि भाजपा और ई.डी. या सी.बी.आई. एक मजाक बन चुके हैं। बिहार के घटनाक्रम से इतना तो हुआ ही है की भाजपा के सरकार गिराओ रथ के पहियों कुछ थमें हैं, और झारखण्ड, व अन्य प्रदेशों को कुछ राहत मिली है। जहां गैर भाजपाई सरकारें हैं उन्हें कुछ राहत मिली है। भाजपा के चाणक्य और रणनीतीकारों के चेहरे का तेज फीका पड़ गया है। परन्तु साँप अभी मरा नहीं है और कहा जाता है कि घायल साँप ज्यादा खतरनाक होता है। भाजपा हटाओ मुहिम के तहत श्री नीतीश कुमार के नये गठबंधन के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने पहली बार दिल्ली यात्रा की है और कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, लोकदल, एन.सी.पी. आदि दलों के शीर्ष नेताओं के साथ मंत्रणा शुरू की है। यद्यपि उनकी योजना के बारे में अभी कोई विशेष सूचना मीडिया या अन्य माध्यमों से नहीं मिली है। एक इसलिये की भी कि नीतीश कुमार भी उतने ही अविश्वसनीय सहयोगी है जितनी की भाजपा। भले ही वह यह बयान दे रहे हो की मुझे अब कुछ नहीं चाहिये मुझे प्रधानमंत्री नहीं बनना, परंतु उनका यह कथन किसी को भी विश्वास लायक नहीं है। एक तो फिलहाल प्रधानमंत्री का पद उनके लिये रिक्त नज़र नहीं आता और दूसरे शायद वह राजद नेताओं को विश्वास दिलाना चाहते हैं की मेरी सरकार जो राजद के कंधों पर टिकी है उसे निर्बाध चलने दो अगली बार में मुख्यमंत्री की दोड़ में नहीं होऊंगा। उनकी घोषणाओं को छोड़ भी दें तब भी महत्वपूर्ण प्रश्न यह है की क्या कोई संसदीय ताकतवर मोर्चा अभी बन सकता है? और क्या ऐसा कोई मोर्चा देश को कोई बेहतर विकल्प दे सकता है? मुझे लगता है कि अभी हाल में देश में कोई ऐसा वैकल्पिक मोर्चा भले ही वह सत्ता उन्मुख हो, बनना कठिन है। एक बारात में कई दूल्हे संभव नहीं है, और गैर भाजपा समूह कई दूल्हों वाली ऐसी ही बारात है। दूसरे कार्यक्रम विहीन मोर्चे सत्ता के लिये गठजोड़ होते हैं जो बनते मिटते हैं, परन्तु कोई परिणाम नहीं दे पाते। ऐसे मोर्चे की कोई वैकल्पिक नीति या कार्यक्रम नहीं होते बल्कि ÷मिल जुलकर सरकार बनाओ मिल बांटकर लूटकर खाओ÷ ही उनका लक्ष्य होता है। यही काम मोदी के नेतृत्व में एन.डी.ए. करता रहा है और यही काम ऐसे भविष्य में बनने वाले सत्ता मोर्चे भी करेंगे। अगर देश के और समाज के लिये कोई मोर्चा बनता है तो पहले वैकल्पिक कार्यक्रमों पर चर्चा हो और उन्हें लेकर देश में अभियान चले। 1960 के दशक में न्यूनतम समयबद्ध कार्यक्रम लोहिया के गैर कांग्रेसवाद का आधार था और अब भी न्यूनतम समयबद्ध कार्यक्रम जो लोहिया विचार पर आधारित हो गैर भाजपावाद का आधार बन सकता है। अंत में मैं इतना और कहना चाहूगा कि हमारे देश के कुछ अनुदान प्राप्त स्वयं सेवी संगठन या सिविल सोसाइटी के नामधारी संगठन अनेक कारणों से बेचेन आत्मायें बन गये हैं। यही लोग हैं जो वर्ष 2009-10 में अन्ना के अभियान और आप में कुछ पाने के लिये जुटे थे और अब यही अन्य दलों के साथ उसी प्रकार एकजुटता कर रहे हैं। यह उनका स्वेच्छिक निर्णय है या फण्ड दाताओं का दबाव यह में नहीं जानता परन्तु इस बार-बार के तलाक के प्रयोग में भी उन्हें कुछ सार्वजनिक तो छोड़ो व्यक्तिगत् भी हासिल होगा, इस पर भी मुझे शक है, मुझे याद है कि जब देश अन्ना अन्ना के गीत गा रहा था तब मेरे एक मित्र श्री विजय प्रताप ने गाँधी शाँति प्रतिष्ठान में एक बैठक आमंत्रित की थी। मैं उसमें आमंत्रित नहीं था पर किसी अन्य कार्यक्रम की वजह से वहाँ था। श्री श्रवण गर्ग, वरिष्ठ पत्रकार ने मुझे आने को कहा। मैं कुछ देर को शामिल हुआ। वहाँ श्री श्रवण गर्ग ने उन मित्रों से कहा था कि आप बदलाव की बात छोड़ें, दो चार विधानसभा क्षेत्र देख लो। संभव है कि वहाँ से विधायक बन जाओ। श्री श्रवण गर्ग का कथन जो तब भी सही निकला, शायद आगे भी इन प्रयोग कर्ताओं के लिये वैसा ही सही साबित होगा। और मान लो ऐसे 2-4 लोग संसद और विधान सभाओं में पहुंचकर दलीय गुलाम बन भी जाये तो इससे देश को कुछ भी हासिल नहीं होगा हासिल होगा तो सिर्फ निराशा।

विचार मंथन

अमरिंदर पर भरोसा

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह भाजपा में शामिल हो गए। इसके साथ ही उन्होंने अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) का भाजपा में विलय कर दिया। अमरिंदर के साथ उनके बेटे रणइंदर सिंह और बेटी जय इंदर कौर ने भी भाजपा का दामन थाम लिया। हालांकि, उनकी पत्नी परनीत कौर अभी भी कांग्रेस की सांसद हैं। इसी के साथ पंजाब की राजनीति में एक नया अध्याय जुड़ गया है। नवंबर 2021 में अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस के अलग होने के बाद नई पार्टी बनाई। उस वक्त केंद्र सरकार ने कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान नहीं किया था। यह एक बड़ी वजह थी जिसने अमरिंदर सिंह को भाजपा में जाने के बजाय अलग पार्टी बनाने का रास्ता दिया। उन्होंने अलग पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस के गठन का एलान दो नवंबर को कर दिया। यह तय था कि अमरिंदर को कांग्रेस से अलग पार्टी बनाने का कोई खास फायदा नहीं होना था। इसके बावजूद भाजपा के अलावा किसी और पार्टी का दामन थामना उनके लिए आसान नहीं था। कांग्रेस से विवाद के वक्त अमरिंदर सिंह भाजपा में शामिल हो सकते थे। हालांकि, तब अमरिंदर ने शर्त रखी है कि केंद्र सरकार तीनों कृषि कानूनों को वापस ले ले और इस कदम का श्रेय कैप्टन को ही दे। हालांकि, भाजपा ने अमरिंदर के कांग्रेस से अलग होने तक ऐसा कोई ऐलान नहीं किया। चौंकाने वाली बात यह है कि अमरिंदर के अलग पार्टी बनाने के ऐलान के महज दो हफ्ते बाद ही पीएम नरेंद्र मोदी ने कृषि कानून वापस लेने का एलान कर दिया। इस तरह आखिरकार चुनाव से पहले अमरिंदर सिंह को पंजाब लोक कांग्रेस का गठबंधन भाजपा से कराने में आसानी हुई। पंजाब विधानसभा चुनाव में अमरिंदर सिंह की पार्टी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। पंजाब में एक बड़ा चेहरा होने के बावजूद अमरिंदर ने जिन 28 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, उन सभी को हार मिली। खुद अमरिंदर भी चुनाव हार गए। उनकी पार्टी को महज आधा फीसदी वोट से संतोष करना पड़ा। वहीं, सहयोगी भाजपा कृषि कानूनों पर विरोध का सामना करने के बावजूद दो सीटें हासिल करने में सफल रही। भाजपा के लिए भी बिना किसी सिख चेहरे के राजनीति को आगे बढ़ाना आसान नहीं है। पार्टी पंजाब में ऐसे नेता को आगे बढ़ाना चाहती है, जिसका सिख समुदाय में बेहतर प्रभाव हो और पंजाब में लोकप्रिय चेहरा हो। अमरिंदर सिंह के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अच्छे व्यक्तिगत संबंध हैं। जब वह पंजाब के सीएम थे तो उन्होंने ऑन रिकॉर्ड कहा था कि पीएम संपर्क करने पर हमेशा सहयोग करते हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह दो बार कांग्रेस से पंजाब के मुख्यमंत्री रहे हैं लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि भाजपा में शामिल होने के बाद उनकी क्या भूमिका रहेगी। कैप्टन इस समय 80 साल के हैं। वहीं, भाजपा आमतौर पर 75 से ऊपर के नेताओं को टिकट नहीं देती है। ऐसे में कैप्टन के लिए पंजाब में खुद के लिए किसी तरह की चाहत रखना मुश्किल है। हालांकि, बीते विधानसभा चुनाव में कैप्टन के बेटे रणइंदर सिंह ने भाजपा-पंजाब लोक कांग्रेस के बीच तालमेल बिठाने और टिकटों की बंटवारे में अहम भूमिका निभाई थी। रणइंदर इन चुनावों में पार्टी को फायदा दिलाने या खुद को बड़े नेता के तौर पर स्थापित करने में सफल तो नहीं हुए, लेकिन अमरिंदर के उत्तराधिकारी के तौर पर उनके नाम की चर्चा शुरू हो गई। अमरिंदर भाजपा में शामिल होने का दांव आजमा कर अपनी बेटी जय इंदर कौर के राजनीतिक करियर को भी बढ़ा सकते हैं। जय इंदर फिलहाल अमरिंदर का राजनीतिक काम संभालती हैं। पंजाब के चुनाव में उनकी भूमिका पहली कतार में थी। ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी बेटी को भी भाजपा में कोई महत्वपूर्ण भूमिका मिल सकती है। अमरिंदर अब क्यों भाजपा में शामिल हो रहे हैं, इसका सीधा जवाब है- 2024 में होने वाले आम चुनाव। दरअसल, भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में उन राज्यों में सीटें बढ़ाने की कोशिश में है, जहां उसका खास जनाधार नहीं है। उत्तर भारत में पंजाब एक ऐसा राज्य है, जहां भाजपा अब तक बाकी राज्यों की तरह

श्रद्धांजलि

एक हंसाने वाले इंसान का जाना!

(लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन)

अस्पताल में जीवन से संघर्ष करते हुए मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव आखिर मौत से हार गए। वे 10 अगस्त को कार्डियक अरेस्ट के बाद से एम्स में भर्ती थे। राजू श्रीवास्तव 58 साल के थे। उन्हें उस समय कार्डियक अरेस्ट हुआ था, जब वे दिल्ली के एक जिम में एक्सरसाइज कर रहे थे। राजू श्रीवास्तव को बचाने और होश में लाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उनके ब्रेन में ऑक्सीजन नहीं पहुंच रही थी। वह लगातार बेहोश थे। एकदम कोमा जैसी स्थिति थी। राजू श्रीवास्तव के हार्ट ने भी काम करना बंद कर दिया था। राजू श्रीवास्तव की बेहतरी के लिए इंडस्ट्री के तमाम लोग और करोड़ों फैंस लगातार दुआ कर रहे थे, लेकिन अफसोस कि सबको हंसाने वाले गजोधर भैया, अपने पीछे आंसुओं का सैलाब छोड़कर चले गए। राजू श्रीवास्तव का जन्म उत्तर प्रदेश के कानपुर में 25 दिसंबर सन1963 को हुआ था। उनका वास्तविक नाम सत्य प्रकाश श्रीवास्तव था। राजू को बचपन से ही मिमिक्री और कॉमेडी का शौक था। राजू को कॉमेडी शो से पहचान मिली । कॉमेडी शो से मिली सफलता के बाद राजू ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और हास्य की दुनिया मे छाये रहे। राजू श्रीवास्तव ने सन1993 में शिखा श्रीवास्तव से शादी की थी।उनके दो बच्चे हैं।राजू श्रीवास्तव ने राजनीति में भी अपना हाथ अजमाया। उन्हें सन2014 में कानपुर से लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी से टिकट मिला था। लेकिन उन्होंने बाद में चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था, इसके बाद वे चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हो गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें स्वच्छ भारत अभियान में नामांकित किया था। इसके बाद उन्होंने स्वच्छता को लेकर विभिन्य शहरों में चलाए गए अभियानों में भी हिस्सा लिया। राजू श्रीवास्तव को सन2019 में उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद का अध्यक्ष बनाया गया था। राजू श्रीवास्तव अपने स्वास्थ्य का काफी ध्यान रखते थे।राजू नियमित रूप से जिम जाते थे। वे सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहे और हमेशा लोगो को हंसाना ही उनका मकसद होता था। उनके इंस्टा अकाउंट पर कई फनी और मजेदार वीडियोज आपको देखने को मिल जाएंगे।केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सुप्रसिद्ध हास्य कलाकार, राजू श्रीवास्तव जी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।उन्होंने कहा वे एक मंझे हुए कलाकार होने के साथ-साथ एक बेहद ज़िंदादिल इंसान भी थे। सामाजिक क्षेत्र में भी वे काफ़ी सक्रिय रहते थे।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजू श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश फ़िल्म विकास परिषद के अध्यक्ष के रूप में अपनी सराहनीय सेवा दी। वे एक अच्छे कलाकार थे।जीवन भर अपनी पीड़ा को दबाते हुए बिना किसी भेदभाव के वे सब का मनोरंजन करते रहे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव का एक विशिष्ट अंदाज था, उन्होंने अपनी अद्भुत प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया।उनका निधन कला जगत के लिए एक बड़ी क्षति है।प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास ने ट्वीट किया, ''राजू भाई ने आखिर ईश्वर के लोक की उदासी से लड़ने के लिए, सांसारिक यात्रा से विराम ले ही लिया। उनके संघर्ष के दिनों से लेकर यश के शिखर तक की यात्रा के सैकड़ों संस्मरण आंखों के आगे तैर रहे हैं।उदास लोगों को मुस्कराहट की ईश्वरीय सौग़ात देने वाले सिकंदर को अंतिम प्रणाम भाई।'' कानपुर में जन्मे कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव ने अपनी कॉमेडी के कारण पूरी दुनिया में शोहरत प्राप्त की हैं। फिल्मों में राजू ने सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 'बाजीगर', 'आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया', 'वाह तेरा क्या कहना', 'मैं प्रेम की दीवानी हूं', 'बॉम्बे टू गोवा' और 'टॉइलेट एक प्रेम कथा' जैसी फिल्मों में काम किया था। राजू को असली पहचान कॉमेडी रिएलिटी शो 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' से मिली । इस शो में राजू ने एक काल्पनिक किरदार गजोधर बनकर खूब दर्शकों का मनोरंजन किया था। इसी टीवी सीरीज के अलावा राजू ने मशहूर टीवी सीरियलों 'देख भाई देख', 'शक्तिमान' और 'अदालत' में भी कुछ महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं।जिनके माध्यम से उन्हें सदा याद किया जाता रहेगा।

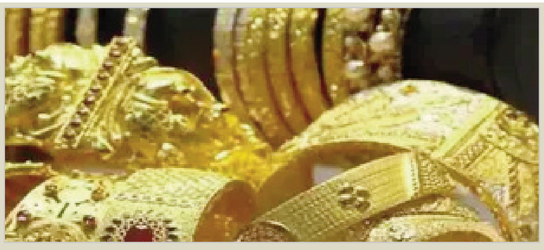

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली । दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत में 152 रुपये का उछाल आया है और ये 49,871 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है जबकि गत दिवस सोना हल्की बढ़त के साथ ही 49,719 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमतों में 333 रुपये रुपये का उछाल आया है और ये 57,406 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले मंगलवार को चांदी की कीमत में गिरावट आई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,671 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 19.35 डॉलर प्रति औंस पर सपाट थी। सोने को सुरक्षित निवेश का बेहतर विकल्प माना जाता है।

आई2यू2 समूह ने आर्थिक साझेदारी और गहरा करने का लिया संकल्प

न्यूयॉर्क । भारत से हित चार देशों के समूह 'आई2यू2' ने अपनी आर्थिक साझेदारी को गहरा करने का संकल्प जताया है। समूह ने कृषि तथा स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्रों में मौजूदा परियोजनाओं का जायजा लिया और समूह के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मददगार संभावित परियोजनाओं की समीक्षा भी की। 'आई2यू2' भारत, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका का समूह है। समूह के सदस्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से इतर मंगलवार को आपस में बैठक की। अमेरिका के विदेश विभाग ने बताया कि अवर विदेश मंत्री जोस डब्ल्यू फर्नांडिस ने 'आई2यू2' समूह के अपने समकक्षों- भारत के विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव दम्मू रवि, इजराइल के विदेश मंत्रालय में महानिदेशक एलन उश्पिज और संयुक्त अरब अमीरात में विदेश मंत्री अहमद बिन अली अल सायेघ से मुलाकात की। बयान में कहा गया कि समूह ने चार देशों के बीच अपनी आर्थिक साझेदारी को गहराने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कृषि और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मौजूदा परियोजनाओं का जायजा लिया और समूह के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में मददगार होने वाली संभावित परियोजनाओं की समीक्षा की।

नई विदेश व्यापार नीति की घोषणा 29 सितंबर को

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय पांच साल की नई विदेश व्यापार नीति की घोषणा 29 सितंबर को हो सकती है। एक अधिकारी ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य से देश से निर्यात बढ़ाना है। मौजूदा विदेश व्यापार नीति (2015-20) 30 सितंबर तक लागू है। सरकार ने कोविड-19 महामारी की वजह से 31 मार्च, 2020 को इस नीति को एक साल के लिए 31 मार्च, 2021 तक बढ़ा दिया था। इसके बाद इसे इस साल सितंबर तक बढ़ाया गया। नीति में सरकार वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातकों के लिए समर्थन उपायों की घोषणा करती है। अधिकारी ने बताया कि नई विदेश व्यापार नीति 29 सितंबर को जारी की जाएगी। निर्यात केंद्र योजना के रूप में जिले भी इस दस्तावेज का हिस्सा होंगे। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त की अवधि में देश का निर्यात 17.68 प्रतिशत बढ़कर 193.51 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान आयात 45.74 प्रतिशत बढ़कर 318 अरब डॉलर रहा है। इस तरह व्यापार घाटा बढ़कर 124.52 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। अप्रैल-अगस्त, 2021 में व्यापार घाटा 53.78 अरब डॉलर था।

किर्लोसकर से स्वराज इंजन्स में हिस्सेदारी खरीदेगी महिंद्रा एंड महिंद्रा

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने कहा है कि वह किर्लोस्कर इंडस्ट्रीज लिमिटेड से स्वराज इंजन्स में अतिरिक्त 17.41 प्रतिशत हिस्सेदारी 296 करोड़ रुपए में खरीदेगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस अधिग्रहण के साथ कंपनी की स्वराज इंजन्स में हिस्सेदारी मौजूदा के 34.72 प्रतिशत से बढ़कर 52.13 प्रतिशत हो जाएगी। कंपनी ने 1,400 रुपए प्रति शेयर के भाव पर 21,14,349 इक्विटी शेयर लेने का प्रस्ताव किया है। यह चुकता शेयर पूंजी का 17.41 प्रतिशत हिस्सा है। सूचना के अनुसार इसके साथ एसईएल, महिंद्रा एंड महिंद्रा की अनुषंगी बन जाएगी। पंजाब के मोहली की कंपनी एसईएल डीजल इंजन और उसके उपकरण बनाती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से हासिल मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 262.96 अंक करीब 0.44 फीसदी नीचे आकर 59,456.78 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 97.90 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी नीचे आकर 17,718.35 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सेंसेक्स ने खुलते ही दो सौ से ज्यादा अंक खो दिये और उसके वहीं जबकि निफ्टी ने 50 अंक गंवा दिये पर कुछ समय बाद ही बाजार में खरीदारी शुरू हो गयी पर बिकवाली के कारण अंत तक बाजार उबर नहीं पाया। आज के कारोबार में उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) के अलावा किसी भी सेक्टोरल इंडेक्स में बढ़त नहीं रही। निफ्टी एफएमसीजी 1.18 फीसदी की बढ़त के साथ लाभ पर बंद हुआ। वहीं फार्मा 1.39 फीसदी, रियल्टी 1.29 फीसदी, हेल्थकेयर 1.04 फीसदी, बैंक 0.64 फीसदी, ऑटो 0.51 फीसदी और आईटी 0.66 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। आज कारोबार के दौरान ब्रिटानिया 2.91 फीसदी, हिन्दुस्तान यूनीलीवर 1.51 फीसदी, आईटीसी 1.37 फीसदी, अपोलो हॉस्पिटल 0.87 फीसदी और बजाज फाइनेंस 0.78 फीसदी के साथ ही लाभ में रहे। वहीं, श्रीराम सीमेंट -5.94 फीसदी, अडानी

पोर्ट्स -3.74 फीसदी, पावर ग्रिड -3.52 फीसदी, इंडसइंड बैंक -3.13 फीसदी और अल्ट्राटेक सीमेंट -2.85 फीसदी में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 2.38 फीसदी बढ़कर 92.78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

रुपया गिरावट के साथ 80 रुपये प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट दर्ज की गयी है। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 26 पैसे की गिरावट के साथ 80 रुपये प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.81 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 79.79 से 80 रुपये के दायरे में रहा। अंत में यह 26 पैसे की गिरावट के साथ 80 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ 79.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णय से पहले प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में तेजी आई है। वहीं छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 फीसदी बढ़कर 110.55 पर पहुंच गया।

खाड़ी सहयोग परिषद के देशों को भारत का निर्यात 2021-22 में 44 प्रतिशत बढ़ा : फियो

दुबई ।

खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह सदस्य देशों को भारत का निर्यात 2021-22 में 44 प्रतिशत बढ़कर लगभग 43.9 अरब डॉलर हो गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में यह आंकड़ा 27.8 अरब डॉलर था। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) ने बताया कि निर्यात में 68 प्रतिशत वृद्धि के साथ खाड़ी देशों में यूएई शीर्ष पर रहा। फियो ने बताया कि भारत के दूसरे सबसे बड़े व्यापार साझेदार और निर्यात के लिहाज से सबसे बड़े साझेदार यूएई को निर्यात बीते वित्त वर्ष में बढ़कर 28 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2020-21 में 16.7 अरब डॉलर था। जीसीसी की स्थापना मई, 1981 में हुई थी। इसके सदस्य सऊदी अरब, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर और यूएई हैं। फियो ने बयान में कहा गया है कि जीसीसी को कागज और संबद्ध उत्पादों का निर्यात 2021 में 63.8 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया। इसमें यूएई की हिस्सेदारी 38.6 करोड़ डॉलर रही। फियो के महानिदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय सहाय ने कहा वित्त वर्ष 2021-22 में जीसीसी को हमारा निर्यात प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। यूएई के अलावा, हमारा निर्यात सऊदी अरब में 49 प्रतिशत, ओमान में 33 प्रतिशत, कतर में 43 प्रतिशत, कुवैत में 17 प्रतिशत और बहरीन में 70 प्रतिशत बढ़ा। कागज उद्योग के मामले में भारत की जीसीसी में 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है और इसे 2027 तक बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है। भारत और यूएई ने इस साल फरवरी में सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) पर हस्ताक्षर किए थे, जो एक मई 2022 को लागू हुआ।

बहुत जल्द इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना हो सकता है आसान

- सस्ता होगा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लोन, विश्व बैंक से चर्चा कर रहा भारत

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना आने वाले समय में आसान हो सकता है। एचटी ऑटो की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने नई दिल्ली में एक इंडस्ट्रियल कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत सरकार और विश्व बैंक लोन देने वाले बैंकों के लिए एक रिस्क शेयरिंग मैकेनिज्म शुरू करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। रिस्क मैकेनिज्म बैंकों को लोन डिफॉल्ट होने की स्थिति में बचाव और ईवी फाइनेंस की लागत में कटौती करने में मदद करेगा। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत को हाल ही में जी-20 का नया शेरपा बनाया गया है। भारत इस साल जी-20 की अध्यक्षता संभालने वाला है। कांत ने कहा कि भारत में बैंक ऐसे समय में ईवी खरीद के लिए लोन देने से हिचक रहे हैं, जब इन वाहनों की बीमा करने की लागत ज्यादा है और इलेक्ट्रिक वाहनों की रिसेल मार्केट भी अभी डेवलप नहीं हुआ है। दक्षिण एशियाई देशों में इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने की रफ्तार अमेरिका और चीन के मुकाबले काफी कम है। इसकी बड़ी वजह ज्यादा कीमत और चार्जिंग स्टेशन की कमी है। नीति आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार श्व बैंक एक भारतीय बैंक के साथ करीब 8 हजार करोड़ फंड स्थापित करेगा, जो सभी

लोन देने वाली संस्थाओं को उपलब्ध कराया जाएगा। लोन डिफॉल्ट के मामले में फंड संस्थाओं को पहले नुकसान की गारंटी देगा। फिलहाल इस बारे में विश्व बैंक की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हाल ही में वाहन कलपुर्जा निर्माता संघ और मैकिंजी की संयुक्त रूप से तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में 2030 तक दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। इस श्रेणी के तहत कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों की हिस्सेदारी क्रमशः 50 प्रतिशत और 70 प्रतिशत होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 तक नए इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 50 प्रतिशत और तिपहिया वाहनों की बिक्री 70 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

नेटवर्थ के मामले में मुकेश अंबानी से कई गुना आगे निकले गौतम अड़ानी

दोनों की नेटवर्थ में तीन लाख करोड़ रुपये का अंतर

मुंबई ।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ पिछले एक साल में दोगुनी हो चुकी है। इस दौरान अडानी ने रोजाना 1612 करोड़ रुपये की कमाई की। अडानी हाल में अमेजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस को पछाड़कर दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस बने हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में अडानी ने वेल्थ में 116 फीसदी तेजी आई। इस दौरान उन्होंने 5,88,500 करोड़ रुपये की कमाई की। 60 साल के अडानी की कुल नेटवर्थ 10,94,400 करोड़ रुपये है। लिस्ट के मुताबिक पिछले पांच साल में अडानी की नेटवर्थ में 1440 प्रतिशत बढ़ी हैं। अडानी ग्रुप की सात लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप पिछले कुछ साल में तेजी से बढ़ा है। वर्तमान में यह ग्रुप मार्केट कैप के लिहाज से देश का सबसे बड़ा बिजनस ग्रुप है। हाल में अडानी ग्रुप ने टाटा ग्रुप को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया था। जानकार ने कहा कि 2022 अडानी की चमत्कारिक उभार के लिए याद किया जाएगा। वह देश के एकमात्र कारोबारी हैं जिन्होंने एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा मार्केट कैप वाली सात कंपनियां बनाई हैं। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ इस दौरान तीन लाख करोड़ रुपये बढ़ी है। एक दशक पहले यानी 2012 में अंबानी की नेटवर्थ अडानी से करीब छह गुना ज्यादा थी। 10 साल में यह पहला मौका है, जब अंबानी इस लिस्ट में पहले स्थान पर नहीं हैं। हालांकि पिछले एक साल में उनकी नेटवर्थ में 11 फीसदी तेजी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ 7,94,700 करोड़ रुपये है। पिछले पांच साल में उनकी नेटवर्थ में 115 फीसदी तेजी आई है। लेकिन अब अडानी बहुत आगे निकल चुके हैं। दोनों की नेटवर्थ में अब तीन लाख करोड़ रुपये का अंतर आ चुका है। एक साल पहले अंबानी की नेटवर्थ अडानी से दो लाख करोड़ रुपये ज्यादा थी। अंबानी ने पिछले एक साल के दौरान रोजाना 210 करोड़ रुपये की कमाई की। इस लिस्ट में साइरस एस पूनावाला तीसरे नंबर पर हैं। वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मालिक पूनावाला की नेटवर्थ पिछले एक साल में 25 फीसदी बढ़कर 2,05,400 करोड़ रुपये पहुंच गई है। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर एचसीएल का फाउंडर शिव नाडर (18,5000 करोड़ रुपये), पांचवें नंबर पर डीमार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी (175,100 करोड़ रुपये), छठे नंबर पर अडानी के भाई विनोद शांतिलाल अडानी (169,000 करोड़ रुपये), सातवें नंबर पर एसपी हिंदूजा (165,000 करोड़ रुपये), आठवें नंबर पर एलएन मित्तल (151,800 करोड़ रुपये), नौवें नंबर पर दिलीप सांघवी (133,500 करोड़ रुपये) और दसवें नंबर पर उदय कोटक (194,400 करोड़ रुपये) हैं।

दो दिन बाद बंद हो जाएगा पुणे का सहकारी बैंक

- आरबीआई ने रद्द किया लाइसेंस, जल्द अपना पैसा निकाल लें ग्राहक

नई दिल्ली ।

दो दिन बाद एक और को-ऑपरेटिव बैंक बंद हो जाएगा। आरबीआई ने पुणे के रुपी सहकारी बैंक को बंद करने का आदेश दिया है। इस बैंक की सेवाएं 22 सितंबर के बाद बंद हो जाएंगी। इस बैंक पर रिजर्व बैंक के नियमों के पालन नहीं करने का आरोप है। इस बैंक के ग्राहकों के पास सिर्फ 22 सितंबर 2022 तक का समय है। उस तारीख के बाद ग्राहक बैंक में जमा पैसे नहीं निकाल सकते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया देश के कई बैंकों पर नियम न फॉलो करने के कारण समय-समय पर जुर्माना लगाता रहता है। यदि नियमों की अनदेखी बढ़ जाए तो कुछ बैंकों के लाइसेंस तक कैंसिल कर दिए जाते हैं। रिजर्व बैंक ने बीते 10 अगस्त को एक प्रेस रिलीज जारी कर इस बैंक का लाइसेंस रद्द करने की बात कही थी। रिलीज में बताया गया था कि पुणे के रुपी सहकारी बैंक लिमिटेड का लाइसेंस छह सप्ताह बाद कैंसिल हो जाएगा। यह समय सीमा 22 सितंबर 2022 तक है। अब दो दिन बाद बैंक की सभी ब्रांच बंद हो जाएंगी। साथ ही ग्राहक अपने पैसे नहीं निकाल पाएंगे। आरबीआई के नियमों के अनुसार बैंकों में ग्राहकों के पांच लाख रुपए तक डिपॉजिट पर इंश्योरेंस कवर होता है। जिन ग्राहकों का पैसा रुपी सहकारी बैंक लिमिटेड में जमा है, उन्हें 5 लाख रुपए तक के डिपॉजिट पर इंश्योरेंस का कवर मिलेगा। यह इंश्योरेंस डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन इंश्योरेंस स्कीम के तहत है।

कारोबार कोई भी ऐसा तरीका स्वीकार्य नहीं, जिसका सत्यापन न किया जा सके : माधवी पुरी बुच

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) की चेयरमैन माधवी पुरी बुच ने कहा कि कारोबार करने किसी भी ऐसे तरीके को अनुमति नहीं दी जा सकती, जो 'ब्लैक बॉक्स' पर आधारित हो और जिसका लेखा परीक्षण तथा सत्यापन नहीं कराया जा सके। उन्होंने कहा 'डेटा' सार्वजनिक अवसंरचना है और इसे अधिकार में लेने का किसी भी निजी इकाई या व्यक्ति के प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 'ब्लैक बॉक्स' एक उपकरण या प्रणाली है, जो अपने आतंरिक कामकाज के बारे में कोई खुलासा किए बिना उपयोगी जानकारी देता है। इसके निष्कर्षों के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं रहता है। बुच ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को संबोधित करते हुए कहा, हम एल्गो (एल्गोरिदम) ट्रेडिंग के समर्थन में या विरोध में नहीं हैं, बशर्ते पर्याप्त पारदर्शिता और खुलासे हों। कारोबारी मॉडल 'ब्लैक बॉक्स' पर आधारित नहीं हो सकते हैं। इसलिए ऐसा कोई भी दावा जिसका लेखा परीक्षण या सत्यापन नहीं हो सके उसकी इजाजत नहीं दी जाएगी। ऐसी खबरें आई थीं कि बाजार नियामक एल्गो ट्रेडिंग के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। वहीं, कुछ ब्रोकरों ने एनएसई के शीर्ष अधिकारियों के साथ मिलीभगत में एल्गो ट्रेडिंग का दुरुपयोग भी किया था। इस माह की शुरुआत में पूंजी बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों को एल्गो ट्रेडिंग से संबंधित सेवाएं देने वाले ब्रोकरों के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। दरअसल, सेबी ने पाया था कि कुछ शेयर ब्रोकर नियमन के दायरे से बाहर मंचों के जरिए एल्गोरिदम (एल्गो) आधारित कारोबार की सुविधा निवेशकों को दे रहे हैं। सेबी ने एक परिपत्र में कहा था कि यह मंच निवेशकों को कारोबार के स्वचालित निष्पादन के लिए एल्गोरिदम ट्रेडिंग सेवाएं या रणनीति उपलब्ध करा रहे हैं। ऐसी सेवाओं और रणनीतियों का निवेश पर उच्च रिटर्न के 'दावों' के साथ विपणन किया जा रहा है। इसको देखते हुए सेबी ने ऐसे शेयर ब्रोकरों के लिए कुछ जिम्मेदारी तय की है। एल्गोरिदम ट्रेडिंग सेवाएं देने वाले ब्रोकरों को पूर्व के या भविष्य के रिटर्न को लेकर कोई भी संदर्भ देने से मना किया गया है। साथ ही ऐसे किसी भी मंच से संबद्ध होने से प्रतिबंधित कर दिया गया है जो एल्गोरिदम के पहले के या भविष्य के लाभ के बारे में कोई संदर्भ देता है।

स्पाइसजेट ने अपने 80 पायलटों को बिना वेतन के छुट्टी पर भेजा

मुंबई ।

एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने अपने 80 पायलटों को बिना वेतन के छुट्टी पर भेज दिया है। कंपनी का कहना है कि इन पायलटों को अस्थायी उपायों के तहत छुट्टी पर भेजकर स्पाइसजेट में किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं की जा रही है। लेकिन, कंपनी का फैसला निवेशकों को पसंद नहीं आया है। बुधवार को बीएसई पर स्पाइसजेट का शेयर करीब 3.5 फीसदी गिरावट के साथ ओपन हुआ और बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स के टॉप 5 लूजर्स की लिस्ट में शामिल हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले काफी समय से स्पाइसजेट कई गलत खबरों की वजह से चर्चा में है। इस साल स्पाइसजेट के कई विमान तकनीकी खराबी और हादसों के शिकार हुए हैं। 27 जुलाई को डीजीसीए ने स्पाइसजेट के विमानों में लगातार आ रही तकनीकी खराबियों के चलते 8 हफ्तों के लिए स्पाइसजेट की 50 फीसदी उड़ानों पर रोक लगा दी। डीजीसीए ने कहा था कि इन 8 हफ्तों तक एयरलाइन को अतिरिक्त निगरानी में रखा जाएगा।

स्पाइसजेट के पास कुल 90 विमान हैं। स्पासइजेट का शेयर लगातार गिर रहा है, बुधवार को यह शेयर बीएसई पर 3.56 फीसदी की गिरावट के साथ 41.95 रुपये पर कारोबार कर रहा है। पिछले 5 कारोबारी सत्रों में इस शेयर में 6.76 फीसदी की गिरावट आ चुकी है।

इसी तरह एक महीने में स्पासजेट के शेयर में 7.68 फीसदी की कमजोरी आई है। पिछले 6 महीनों में यह स्टॉक 28 फीसदी लुढ़क चुका है।

यस बैंक के बोर्ड ने बैड लोन को जेसी फ्लावर्स को बेचने की मंजूरी दी

मुंबई ।

निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक यस बैंक के बोर्ड ने करीब 6 अरब डॉलर (480 अरब रुपये) के बैड लोन को प्राइवेट इक्विटी फर्म जेसी फ्लावर्स को बेचने की मंजूरी दे दी है। यस बैंक का कहना है कि एनपीए पोर्टफोलियो के लिए जेसी फलावर्स की 48 हजार करोड़ रुपये की बेस बोली रखी गई थी। लेकिन इसके लिए कोई बोली नहीं लगी और इस मंजूरी दे दी गई। यस बैंक का कहना है कि बैंक की ओर से जेसी फ्लावर्स के लिए स्विस चैलेंज प्रॉसेस के तहत बोलियां मंगाई गई थी। लेकिन इसकी बेस बोली को कोई चुनौती नहीं मिली।

स्विस चैलेंज प्रॉसेस खत्म होने के बाद बैंक के बोर्ड ने जेसी फ्लावर्स एआरसी को विजेता घोषित कर दिया। बोली को मंजूरी दिए जाने के बाद बुधवार को बैंक के शेयर 16 महीने के हाई पर पहुंच गए हैं।

शेयर बाजार में स्ट्रेस्ड संपति को बेचने के लिए बेस प्राइस को चुनौती देने के लिए बोलियां मंगाई जाती है। इस प्रक्रिया को स्विस चैलेंज प्रॉसेस कहा जाता है। बड़े फर्जीवाड़े और खराब कर्ज के दबाव से एक समय बैंक की हालत काफी खस्ता हो गई थी, लेकिन आरबीआई के हस्तक्षेप से दोबारा स्थिति मजबूत हुई है। बैंक ने 48 हजार करोड़ के भारी-भरकम बैड लोन को बेचने का करार किया है, जिससे बुधवार सुबह उसके शेयरों में 4.8 फीसदी का तगड़ा उछाल आया है। कंपनी के शेयरों की कीमत अब 17.2 रुपये पर पहुंच गई है। पिछले एक साल में यस बैंक ने अपने निवेशकों को करीब 28 फीसदी का रिटर्न दिया है।

केंद्र ने दवा कंपनियों के विपणन व्यवहार के नियमन के लिए समिति बनाई

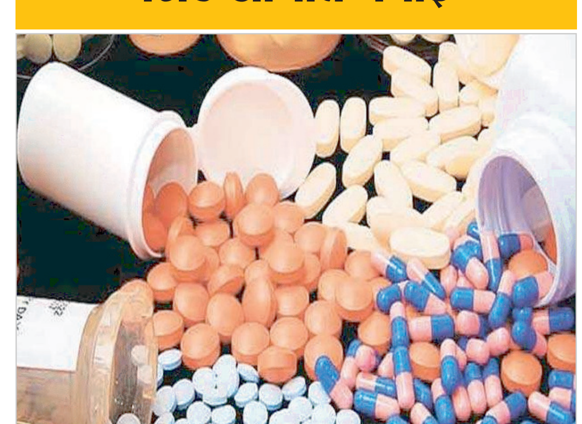

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने फार्मा कंपनियों द्वारा दवाओं व अन्य चिकित्सा उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए प्रलोभन देने के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है।

इस संबंध में कानूनी तंत्र तैयार करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ वी के पॉल की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति दवा विपणन व्यवहार की समान संहिता (यूसीपीएमपी) से संबंधित विभिन्न अन्य मुद्दों की भी समीक्षा करेगी। समिति में शामिल अन्य सदस्यों में फार्मा विभाग की सचिव एस अपर्णा, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन नितिन गुप्ता शामिल हैं। दवा विभाग के एक संयुक्त सचिव (नीति) सदस्य सचिव के तौर पर शामिल हैं। समिति का गठन केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री एवं रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया की सिफारिश पर किया गया है। एक कार्यालय ज्ञापन में कहा गया कि दवा विभाग ने फार्मा कंपनियों के लिए एक आचार संहिता- यूसीपीएमपी भी लागू की है, जो एक जनवरी, 2015 से प्रभावी है। इसे सभी प्रमुख दवा संघों ने अपनाया है। यह कार्यालय ज्ञापन 12 सितंबर को जारी किया गया।

अब पांच अक्टूबर को विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलिया जा सकती है भारतीय टीम

द्रविड़ ने टीम को एक सप्ताह पहले भेजने का किया है अनुरोध

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप के लिए अब नौ की जगह पर पांच अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी। इसका कारण यह है कि कोच राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम को एक सप्ताह पहले भेजा जाये। इसके साथ ही द्रविड़ ने बोर्ड से और अभ्यास मैचों की व्यवस्था करने के लिए भी कहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम अब ऑस्ट्रेलिया में दो या तीन और अभ्यास मैच खेलेगी। एक बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, हम कुछ टीमों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जो आईसीसी द्वारा रखे गए अभ्यास मैचों के अलावा हमारे साथ मैच खेलेंगी। अगर बीसीसीआई द्रविड़ की अपील को मान लेती है तो भारतीय टीम 4 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद रवाना होगी। बीसीसीआई न्यूजीलैंड के खिलाफ 17 अक्टूबर और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 18 अक्टूबर के दो मैचों के अलावा वहां कम से कम तीन अभ्यास मैच खेल सकती है। भारत को अभी ऑस्ट्रेलिया में दो अभ्यास मैच खेलने हैं। भारत टी20 विश्व कप 2022 के सुपर 12 चरण की शुरुआत से पहले ब्रिस्बेन के गाबा में 17 अक्टूबर और 19 अक्टूबर को मेजबान टीम के अलावा न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलना है।

अच्छी गेंदबाजी नहीं की, मैदान पर मौकों का फायदा नहीं उठाया: रोहित शर्मा

मोहाली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम ने मैदान में मिले मौकों का फायदा नहीं उठाया और गेंदबाजी भी खराब रही जिससे उसे तीन मैचों की श्रृंखला के बड़े स्कोर वाले पहले ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आस्ट्रेलिया से चार विकेट की हार का मुंह देखना पड़ा। रोहित ने मैच के बाद कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हमने उतनी अच्छी गेंदबाजी की। 200 रन का स्कोर बचाव के लिये काफी अच्छा है लेकिन हमने मैदान में मिले (कैच लपकने के) मौकों का फायदा नहीं उठाया। ''

भारत ने आल राउंडर हार्दिक पंड्या (नाबाद 71 रन) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (55 रन) के अर्धशतकों के अलावा सूर्यकुमार यादव (46 रन) की बदौलत छह विकेट पर 208 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। रोहित ने कहा, ''मुझे लगता है हमने अच्छी बल्लेबाजी की। हमारे लिये यह समझने के लिये अच्छा मैच रहा कि हम कहां गलत रहे और अगले मैच में हम क्या बेहतर कर सकते हैं। '' आस्ट्रेलिया ने कैमरन ग्रीन (61 रन) के अर्धशतक के बाद मैथ्यू वेड की 21 गेंद में 45 रन की नाबाद पारी से श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

आस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने कहा, ''अच्छा मुकाबला रहा। निश्चित रूप से अंत में ओस से हमें मदद मिली। हमारे लिये कुछ अच्छी भागीदारियां रहीं। खिलाड़ियों ने अच्छी आक्रामकता दिखायी और मैच की लय बदलने की कोशिश की जो काफी अच्छा रहा। '' कैमरन ग्रीन ने 30 गेंद में आठ चौके और चार छक्के से 61 रन बनाये। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

सूर्यकुमार यादव ने बाबर आजम को पछाडा, टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में इस स्थान पर पहुंचे

कैंटबरी (एजेंसी)।

दुबई - भारत के सीमित ओवरों के करिश्माई बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को ताजा आईसीसी पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को पछाड़कर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज बनने की दिशा में अपना हालिया प्रयास जारी रखा है।

सूर्यकुमार ने मंगलवार को अपनी तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मैच में मोहाली में ऑस्ट्रेलिया से हार के दौरान भारत के लिए 46 रन के शानदार प्रदर्शन से प्रभावित किया और इससे उन्हें टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की रैंकिंग में 780 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। भारतीय केवल पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (825 अंक) और दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम (792) से पीछे हैं। नंबर 1 टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाज रिजवान ने मंगलवार को कराची में पाकिस्तान की इंग्लैंड से हार में अर्धशतक लगाया।

बाबर संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप के दौरान अपने निचले स्तर और कराची में श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 31 रनों की पारी के बाद चौथे स्थान पर आ गए, जबकि इंग्लैंड के दाविद मालन (725) और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ओरोन फिंच (715) शीर्ष छह से बाहर हो गए।

भारत के विस्फोटक और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अपने शानदार नाबाद 71 रन के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में 22 स्थान की छलांग लगाई और 65वें स्थान पर पहुंच गए जबकि टीम के साथी अक्षर पटेल ने उसी के दौरान तीन विकेट लेने के बाद गेंदबाजों की सूची में 24 स्थान की बढ़त के साथ 33 वें स्थान पर पहुंच गए।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड नंबर 1 गेंदबाज के रूप में अपनी जगह बनाए हुए हैं और दाएं हाथ के बल्लेबाज ने उस उच्च स्कोर वाले प्रदर्शन में रोहित शर्मा और केएल राहुल के महत्वपूर्ण विकेटों के साथ अपना कौशल दिखाया। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद पाकिस्तान के खिलाफ दो विकेट लेने के बाद हेजलवुड और दूसरे स्थान पर तबरेज शम्सी के बाद तीसरे स्थान पर हैं जबकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स 20 ओवर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तीन साल के अंतराल के बाद टी20 आई बल्लेबाज रैंकिंग में फिर से प्रवेश किया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रउफ इंग्लैंड के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन के बाद टी20 गेंदबाजों की ताजा सूची में चार पायदान के फायदे से 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि टीम के साथी मोहम्मद नवाज तीन पायदान की छलांग से 31वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज: टेलर की टीम से भिड़ेंगे लारा के धुरंधर

देहरादून(एजेंसी)।

वेस्टइंडीज लीजेंड्स बुधवार को उत्तराखंड के देहरादून में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 के 13वें मैच में न्यूजीलैंड लीजेंड्स से भिड़ेगी। यह देहरादून में टूर्नामेंट का पहला मैच होगा। इंदौर में इंग्लैंड पर आठ विकेट की जीत के बाद वेस्टइंडीज लीजेंड्स आत्मविश्वास से भरी हुई है। क्रिसमार सैंटोकी और सुलेमान बेन की शानदार गेंदबाजी की बदौलत विंडीज ने पहले इंग्लैंड के बल्लेबाजों को पांच विकेट पर 156 रन पर रोक दिया। बाद में ड्वेन स्मिथ और विलियम पकिन्र्स के अर्धशतकों ने ब्रायन लारा की टीम को तीन मैच में पांच अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचाया। स्मिथ टूर्नामेंट के रनों की मशीन के तौर पर सबसे आगे हैं और दाएं हाथ के बल्लेबाज का लक्ष्य न्यूजीलैंड की गुणवत्तापूर्ण गेंदबाजी के खिलाफ अपने फॉर्म को जारी रखना होगा। रॉस टेलर के नेतृत्व वाले न्यूजीलैंड लीजेंड्स को शुरुआती मैच में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि भारत के खिलाफ इंदौर में पिछला मैच गीले आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया। टी20 मैचों में न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज ने 19 बार एक-दूसरे का सामना किया है। इनमें से न्यूजीलैंड ने 11 जीते हैं जबकि विंडीज ने छह में जीत हासिल की है।

स्टार बनाने की जगह सभी खिलाड़ियों को महत्व दें: गंभीर

इटावा (एजेंसी)।

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि खेल सबसे बड़ा है पर आजकल देखने में आ रहा है कि खेल में स्टार संस्कृति हावी हो गयी है। इसके कारण ही आजकल खेल में कई खिलाड़ियों को स्टार बनाकर उनका ही महिमामंडन हो रहा है जिससे बचा जाना चाहिये। गंभीर के अनुसार प्रशंसकों को किसी विशेष खिलाड़ी को नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट को अहमियत देनी चाहिये। गंभीर ने कहा कि हमें पूर्व कप्तान कपिल देव, विराट कोहली , महेन्द्र सिंह धोनी जैसे स्टार खिलाड़ियों की बात छोड़कर सिर्फ टीम पर ही ध्यान दें। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार हमें किसी एक खिलाड़ी को महत्व देने की जगह पूरी टीम को बड़ा बनाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने एशिया कप में अफगानिस्तान के मैच को लेकर कहा कि कोहली ने अच्छी पारी खेलते हुए शतक लगाया था पर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 5 विकेट लिए पर किसी ने भी उस पर ध्यान नहीं दिया।

गंभीर का मानना है कि हमें किसी एक विशेष खिलाड़ी को को ही बड़ा करार देने से बचना होगा। उन्होंने कहा, नायक बनाने की प्रथा साल 1983 में एकदिवसीय विश्व कप में जीत के बाद से हुई थी। उसके बाद ततकालीन कप्तान रहे कपिल देव की बात होती थी। यह सिलसिला साल 2007 और 2011 विश्वकप जीतने के बाद कपिल की जगह धोनी नायक बन गये। इसके बाद कप्तान बने विराट को यह जगह मिल गयी। प्रशंसकों को समझना चाहिये कि क्रिकेट एक टीम गेम है और यह एक या दो खिलाड़ियों से नहीं चलता। टीम में शामिल सभी लोगों का योगदान होने के साथ ही भूमिका होती है। इसलिए एक की जगह पर सबको महत्व देना होगा।

7 अक्टूबर से शुरु होगा प्रो कबड्डी लीग

मुम्बई । अगले माह 7 अक्टूबर 2022 से प्रो कबड्डी लीग का नौवां सत्र शरू हो रहा है। इस सत्र का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार टीमों में भी कई बदलाव दिखेंगे। पिछले सत्र में बेंगलुरु बुल्स की तरफ से खेलने वाले पवन सहरावत इस बार तमिल थलाइवाज् की तरफ से खेलेंगे। टीम ने पवन सहरावत को रिकॉर्ड 2.26 करोड़ में खरीदा है। इस प्रकार सहरावत प्रो कब्बडी लीग इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गये हैं। साथ ही वह सत्र 9 में 2 करोड़ से अधिक की कीमत पर बिकने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। सहरावत के अलावा दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे हैं विकास खंडोला हैं जिन्हें बेंगलुरु बुल्स ने 1.70 करोड़ रुपए में खरीदा है। उसके बाद गुमान सिंह को मुंबा ने 1.22 करोड़ रुपए की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया। इसके बाद प्रदीप नरवाल का नाम आता है। नरवाल को यूपी योद्धा ने 90 लाख रुपये में खरीदा है। वहीं सचिन को पटना पाइरेट्स ने 81 लाख रुपए में खरीदा है। कब्बडी लीग आने से इस खेल के खिलाड़ियों को भी मोटी रकम मिलने लगी है।

राजू श्रीवास्तव के निधन पर दिग्गज क्रिकेटरों ने शोक जताया

नई दिल्ली । नामी स्टैंडअप कॉमेडियन और कलाकर राजू श्रीवास्तव के निधन पर खेल जगह भी दुखी है। कई पूर्व क्रिकेटर्स ने भी राजू के निधन पर शोक जताया है। गजोधर भैया के नाम से लोकप्रिय हुए राजू का बुधवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले 42 दिनों से जिंदगी की जंग लड़ रहे थे जो अंत में टूट गयी। उन्हें 10 अगस्त को एक जिम में व्यायाम के दौरान ही दिल का दौड़ा पड़ा था जिसके बाद से ही वह अस्पताल में भर्ती थे।

राजू के निधन पर दुखी पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा कि में श्री राजू श्रीवास्तव जी के निधन से दुखी हूँ ! उन्हें अपनी अनूठी शैली और शानदार कॉमेडी के के लिए याद किया जाएगा। ऊँ शांति।

वहीं इरफान पठान ने कहा कि राजू भैया सभी लोगों के चहेते थे। हम सभी उन्हें हमेंशा याद करेंगे।

कृणाल पांड्या ने कहा कि कामेडी के जरिए हमारे चेहरे पर हंसी लाने के लिए शुक्रिया। राजू श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि। उनके प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

सुरेश रैना ने कहा कि मैं उनके निधन से दुखी हूं। वो स्टैंड-अप कामेडी के बादशाह थे। आपने पूरे देश को हंसाया। उनके प्रियजनों के प्रति संवेदनाएं।

शिखर धवन ने कहा कि इस खबर से दुखी हूं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। आप हमेशा याद रखे जाएंगे। उनके प्रियजनों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। वीरेंद्र सहवाग ने कहा ओम शांति। राजू श्रीवास्तव ने लोगों को अपनी हास्य कला से हमेश हंसाया है। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा कि राजू जी, आप कभी भुलाये नहीं जाएँगे जब भी हम हँसेंगे, आप याद आएँगे। ऊँ शांति।

एफआईएच नेशन्स कप के लिए अभ्यास कर रही भारतीय टीम

नए रुख से शुरुआत की जरुरत: सुशीला

बेंगलुरू (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम अभी स्पेन के वेलेंसिया में 10 से 17 दिसंबर तक होने वाले पहले एफआईएच नेशन्स कप के लिए राष्ट्रीय शिविर में प्रशिक्षण ले रही हैं। इसी दौरान मिडफील्डर सुशीला चानू ने कहा है कि हमें अपनी समीक्षा करते हुए एक नए रुख से शुरुआत करने के साथ ही अपने कमजोर पक्षों पर काम करना होगा। भारतीय टीम इस साल जुलाई में हुए एफआईएच महिला विश्व कप में नौवें स्थान पर रही।

सुशीला ने कहा, ''हमारे पास यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में पिछले टूर्नामेंटों में अपने खेल की कमजोरियों का आंकलन करने का समय है।।'' उन्होंने कहा, ''हम अब एक नए रुख के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं और उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जहां पिछले दो टूर्नामेंटों के दौरान पिछड़ गए थे।''

गौरतलब है कि नेशन्स कप एफआईएच प्रो लीग 2023-24 का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है जिसमें भारत को पूल बी में कनाडा, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है जबकि आयरलैंड, इटली, कोरिया और स्पेन को पूल ए में रखा गया है। सुशीला 2016 के रियो ओलंपिक में टीम की कप्तान भी थीं। इसके बाद भी इस खिलाड़ी का मानना है कि टीम में जगह पक्की मानना सही नहीं होगा क्योंकि कई युवा खिलाड़ी पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

एशिया कप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित, जेमिमा की वापसी

मुबई (एजेंसी)।

बांग्लादेश में एक अक्टूबर से होने वाले महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। अखिल भारतीय महिला चयन समिति ने इस टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर को सौंपी है जबकि स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में युवा बल्लेबाज जेमिमा रॉड्रिगेज को भी शामिल किया गया है। जेमिमा फिट नहीं होने के कारण इंग्लैंड दौरे से बाहर थीं। वहीं तानिया सपना भाटिया, सिमरन दिल बहादुर को स्टैंड बाय के तौर पर रखा गया है।

यह टुर्नामेंट 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला एक अक्टूबर को श्रीलंका से खेलेगी। इसके बाद उसे 3 अक्टूबर को मलेशिया और उसके यूएई से खेलना है। इसमें 7 अक्टूबर को भारत का अहम मुकाबला पाकिस्तान से होगा। इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले 13 अक्टूबर को जबकि फाइनल मुकाबला 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि 1 अक्टूबर से शुरू हो रहे 15 दिवसीय टूर्नामेंट में सात टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट राउंड रॉबिन प्रारूप में होगा, जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वॉलिफाई करेंगी। टूर्नामेंट में खेलने वाली टीमें भारत, पाकिस्तान, मेजबान बांग्लादेश, श्रीलंका, यूएई, थाईलैंड और मलेशिया हैं। भारतीय टीम ने अब तक यह खिताब छह बार जीता है।

एशिया कप में भारतीय टीम का कार्यक्रम

1 अक्टूबर- भारत और श्रीलंका
3 अक्टूबर- भारत और मलेशिया
4 अक्टूबर- भारत और यूएई
7 अक्टूबर- भारत और पाकिस्तान
8 अक्टूबर- भारत और बांग्लादेश
10 अक्टूबर- भारत और थाईलैंड

टीम इस प्रकार है

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिगेज, सबभिनेनी मेघना, ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, दयालन हेमलता, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़, राधा यादव, के.पी. नवगिरे।

स्टैंड बाय खिलाड़ी-तानिया सपना भाटिया, सिमरन दिल बहादुर।

जनरेशन कप शतरंज - भारत के अर्जुन एरिगासी नें बनाई बढ़त , प्रज्ञानंधा भी दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली । भारत के नंबर 3 शतरंज ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें अब विश्व के दिग्गज खिलाड़ियों के सामने अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया है । ताजा प्रदर्शन में अर्जुन नें चैम्पियन चैस टूर के जूलियस बेर जनरेशन कप शतरंज टूर्नामेंट में दो दिन के खेल के बाद विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को पीछे छोड़ते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली है जबकि उनके ठीक पीछे भारत के ही ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानंधा चल रहे है । टूर्नामेंट में अर्जुन की शुरुआत विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन से हार के हुई थी पर उसके बाद उन्होने 5 जीत और 2 ड्रॉ के साथ कुल 17 अंक बनाते हुए एकल बढ़त बना ली है । इस टूर्नामेंट में जीत पर 3 अंक जबकि ड्रॉ पर 1 अंक मिलता है । अर्जुन नें अब तक भारत के अधिबन भास्करन ,वियतनाम के लिम कुयांग ,यूएसए के नीमन हंस और लेवोन अरोनियन और चेक गणराज्य के डेविड नवारा को पराजित किया जबकि भारत के प्रज्ञानंधा और कनाडा के इवान सारिक से मुक़ाबला ड्रॉ खेला है । प्रज्ञानंधा नें दूसरे दिन विश्व चैम्पियन कार्लसन को ड्रॉ पर रोका जबकि उक्रेन के वेसली इवांचुक ,इज़राइल के बोरिस गेलफंड , पोलैंड के यान डूड़ा और जर्मनी के विन्सेंट केमर को पराजित करते हुए 15 अंक बनाकर विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रहे है ।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइलन के लिए प्रबल दावेदार हैं ऑस्ट्रेलिया ओर दक्षिण अफ्रीका: वाटसन

दुबई। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन के अनुसार अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भी प्रबल दावेदार हैं क्योंकि ये दोनो ही अच्छा खेल रही हैं। वाटसन इस बात से निराश हैं डब्ल्यूटीसी देर से शुरू हुई , इस कारण उन्हें इसमें खेलने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा काश मैं डब्ल्यूटीसी में खेल पाता। मेरे खेलने के दिनों में भी टेस्ट क्रिकेट में इसे शुरु करने बातें हो रहीं थीं पर इसे लागू होने से पहले ही मैंने संन्यास ले लिया था। वाटसन ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली था कि 2005 में आस्ट्रेलिया में विश्व एकादश के खिलाफ 'सुपर टेस्ट' खेला जो बहुत खास था। यह मेरे द्वारा खेले गए शुरुआती टेस्ट मैचों में से एक था। उन्होंने कहा-इसका हिस्सा बनना विशेष था। उन्होंने साथ ही कहा कि डब्ल्यूटीसीलीग तालिका में शीर्ष दो स्थानों पर जगह बनाने के लिए टीमों के बीच कड़ा मुकाबला है। भारतीय टीम पिछले सत्र की उपविजेता रही है। उसके अपने छह शेष डब्ल्यूटीसी मुकाबलों में से 4 ऑस्ट्रेलिया और दो मैच बांग्लादेश में खेलने हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को अपने बचे हुए सभी पांच मुकाबले अपनी धरती पर ही खेलने हैं। वाटसन का मानना है कि भारत और पाक के पास कई मैच विजेता हैं , इसलिए इन दोने के लिए फाइनल में जगह बनाना आसान रहेगा।

राष्ट्रमंडल खेलों की असफलता के बाद मनिका बत्रा की निगाहें राष्ट्रीय खेलों में मजबूत वापसी पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को सफलता नहीं मिली लेकिन अब यह शीर्ष भारतीय इस महीने विश्व चैम्पियनशिप के लिये रवाना होने से पहले राष्ट्रीय खेलों में मजबूत वापसी के लिये प्रयासरत है। बत्रा 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के बड़े स्टार में से एक थीं, उन्होंने महिला एकल के अलावा टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने इसी साल एशियाई खेलों में मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीता था। लेकिन पिछले महीने बर्मिंघम से वह खाली हाथ लौटी थीं।

राष्ट्रीय खेलों के लिये यहां पहुंची बत्रा ने 'वर्चुअल' बातचीत में पत्रकारों से कहा, ''निश्चित रूप से जब मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में अपने मैच गंवाये तो मैं दुखी और निराश थी लेकिन मैंने हमेशा खुद से कहा है कि दुनिया यहीं खत्म नहीं होती। '' शीर्ष रैंकिंग भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''2018 मेरे लिये शानदार वर्ष था। इस बार मैं राष्ट्रमंडल खेलों से पहले अपना सर्वश्रेष्ठ खेली। मैंने विश्व टूर पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया और अच्छे खिलाड़ियों को हराया। ''

लेकिन वह अब अपनी गलतियों को सुधारने पर कड़ी मेहनत कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे कड़ी मेहनत करना जारी रखना होगा और वापसी करनी होगी। मैंने अपनी काफी गलतियों पर काम किया है और मेरे कोच मेरे 'स्पारिंग' जोड़ीदार रहे हैं। हमें अभी काफी बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं और अगले साल एशियाई खेल भी हैं। '' 30 सितंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिये टेबल टेनिस खिलाड़ियों को चेंगडू रवाना होगा इसलिये राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह से पहले टेबल टेनिस खिलाड़ियों की यहां पीडीडीयू इंडोर स्टेडियम में स्पर्धायें शुरू हो जायेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डलहौजी

के प्रमुख पर्यटन स्थल

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

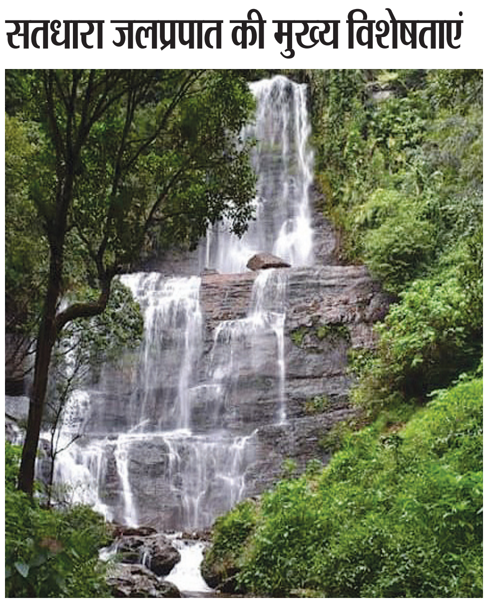

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

कनाडा में कोविड -19 वैक्सीन की बाध्यता को खत्म कर सकता

ओटावा । कोरोना दुनिया भर में धीरे धीरे कम हो रहे प्रभाव के बीच कई देशों ने अंतरराष्ट्रीय नागरिकों के लिए कोविड नियमों में छूट देना शुरु कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार अब पश्चिमी देश कनाडा भी कोविड के अपने सख्त नियमों को सामान्य करने जा रहा है। देश की संघीय सरकार महीने के अंत में कनाडा में प्रवेश करने वाले लोगों के लिए अपनी कोविड -19 वैक्सीन की बाध्यता को खत्म कर सकती है। सूत्र ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो 30 सितंबर को टीकाकरण की आवश्यकता को समाप्त कर सकते हैं।

कम होते मामलों के बीच कनाडा रैंडम कोरोना परीक्षणों को भी बंद कर और अराइवकैन एप का उपयोग करने की बाध्यता को भी वैकल्पिक बना देगा, जहां यात्रियों को अपने टीकाकरण का प्रमाण अपलोड करना फिलहाल आवश्यक है। ऐसा कनाडा अपने देश में विदेशी पर्यटकों को रिझाने के लिए भी कर रहा है, जो कड़े नियमों की वजह से दूसरी जगह जाना अधिक पसंद कर रहे थे।

ब्रिटिश शाही परिवार ने एलिजाबेथ द्वितीय की अनदेखी तस्वीर जारी की

लंदन। ब्रिटिश शाही परिवार ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के बाद उनकी एक अनदेखी तस्वीर जारी की है। ब्रिटेन में सर्वाधिक समय तक राजगद्दी पर आसीन रहीं महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को सोमवार को अंतिम विदाई देकर उनके ताबूत को विंडसर कैसल स्थित सेंट जॉर्ज चैपल के शाही 'वॉल्ट' (शव कक्ष) में नीचे रख दिया गया। महारानी को उनके पति प्रिंस फिलिप के बराबर में दफनाया गया। महारानी के अंतिम संस्कार के बाद शाही परिवार द्वारा सोमवार को जारी तस्वीर 1971 में बाल्मोरल में ली गई थी। तस्वीर के शीर्षक में लिखा गया, मे फ्लाइट्स ऑफ एंजेल्स सिंग दी टू दाइ रेस्ट (ईश्वर करे कि परियां आपको लोरियां गाकर सुलाएं)।'' यह पंक्ति शेक्सपीयर के नाटक 'हैमलेट' से ली गई है। वहीं महाराजा चार्ल्स तृतीय ने अपनी मां के निधन के बाद अपने संबोधन में इस पंक्ति का जिक्र किया था। तस्वीर के साथ शीर्षक में दूसरी पंक्ति में लिखा है, महामहिम महारानी की प्यारी याद में। 1926-2022।'' इस तस्वीर में महारानी एक छड़ी हाथ में लिए किसी दलदली जगह से गुजरती दिख रही हैं। उन्होंने सिर पर स्कार्फ पहना हुआ है और चश्मा लगाया हुआ है। तस्वीर में वह अपने हाथ में एक कोट लटकाए दिख रही हैं।

यह युद्ध का समय नहीं, सभी देश मौजूदा चुनौतियों का मिलकर मुकाबला करें : मैक्रों

न्यूयार्क । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है और हमें इसके वैकल्पिक उपायों पर गौर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बात बहुत प्रासंगिक है। ज्ञात हो कि पीएम मोदी ने हाल ही में उज्बेकिस्तान के समरकंद में हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर पुतिन के साथ बैठक में यह बात कही थी। पीएम मोदी कई बार राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर युद्ध के संबंध में बातचीत कर चुके हैं। इस दौरान वह लोकतंत्र, कूटनीति और बातचीत के महत्व के रेखांकित कर चुके हैं। मैक्रों ने कहा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। यह पश्चिम से बदला लेने और उसे पूर्व के खिलाफ खड़ा करने का समय नहीं है। यह वक्त है कि हम सभी संप्रभु राष्ट्र हमारे समक्ष मौजूद चुनौतियों का एकजुट होकर मुकाबला करें। इसीलिए उत्तर और दक्षिण के बीच खाद्यान्न, शिक्षा और जैव विविधता के क्षेत्र में नए समझौतों की सख्त जरूरत है। यह सोच को सीमित करने का नहीं, बल्कि साझा हितों के लिए मजबूत गठबंधन बनाने का है।

7 माह बाद रुसी कब्जे से छूटा शहर इजीयुम, सब कुछ तबाह बर्बाद

कीव । पूर्वी यूक्रेन का शहर इजीयुम उन शहरों में शामिल था जिस पर रूस ने 24 ?फरवरी को जंग के कुछ दिनों बाद ही कब्जा कर लिया था। मार्च अंत तक इजीयुम को अलग-थलग कर दिया गया था, और यहां न कोई मोबाइल फोन था और न ही बिजली की व्यवस्था रह गई थी। शहर से ज्यादातर लोगों ने पलायन कर लिया था। रूस ने इस अपना कमान केंद्र बना लिया था। करीब छह महीने बाद इस शहर को फिर से यूक्रेन ने अपने नियंत्रण में ले लिया। यूक्रेन ने 10 सितंबर को खारकीव क्षेत्र पर जवाबी हमले के तहत शहर पर कब्जा किया। स्थानीय निवासियों के पास कुछ नहीं बचा है। वे जलाने के लिए एक स्कूल से लकड़ियां इकट्ठी कर रहे हैं। स्थानीय निवासी ने बताया कि हम लकड़ी जलाकर चाय के लिए पानी गर्म करते हैं और दलिया आदि बनाते हैं। मेरा हाथ देखिए। मैं 75 साल का हूं और इन महिला की उम्र मुझसे भी ज्यादा है। हम सर्दियों से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा, मेरे पोते इस स्कूल में जाते थे और मैं इसे लूट रहा हूं। जब सात महीने पहले जंग शुरू हुई थी, तब इजीयुम की आबादी तकरीबन 40 हजार थी लेकिन कुछ रूस ही भाग गए थे। शेष लोग तहखानों में या मोटी दीवारों के पीछे छुप गए थे। रूसी सैनिक उन्हें कुछ खाने के लिए दे दिया करते थे जो उन्हें मुश्किल से ही पूरा पड़ता था। शहर के लोग बाहरी दुनिया से पूरी तरह कट गए थे। उन्हें यह भी नहीं पता था कि उनका क्षेत्र अब यूक्रेन में है भी या नहीं।

दुनिया के अमीर देशों ने गरीब मुल्कों को संकट में डाला : मार्कोस

न्यूयार्क । संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर लोगों ने सबसे गरीब लोगों को खतरे में डाल दिया है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने असमानता, परमाणु हथियारों और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई करने पर भी जोर दिया। मार्कोस ने यूएनजीए के सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन पर बात करने का समय काफी पहले बीत चुका है। उन्होंने विकसित देशों से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने और विकासशील देशों की मदद करने का आह्वान किया। मार्कोस ने कहा जलवायु परिवर्तन का असर असमान है और ऐतिहासिक नाइंसाफी को दर्शाता है। जो इसके लिए सबसे कम कसूरवार हैं, वही सबसे ज्यादा मुश्किलें झेल रहे हैं। इस नाइंसाफी को खत्म किया जाना चाहिए और जिन्हें ज्यादा कदम उठाने की जरूरत है, उन्हें अब ऐसा शुरू कर देना चाहिए।

मार्कोस ने अपने संबोधन में कई बार अमीर और गरीब देशों के बीच के अंतर को रेखांकित किया, जिसमें इंटरनेट सेवा तक पहुंच से लेकर कोविड-19 महामारी से निपटने के उपाय तक शामिल हैं। मार्कोस ने कहा अमीर मुल्कों को गरीब और वंचित देशों की कीमत पर तत्काल टीके मिलें। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र परिसर में असमानता की तरफ इशारा करते हुए कहा दुनियाभर में हमारे चार्टर का उल्लंघन किया जा रहा है। मार्कोस ने परमाणु हथियारों की संख्या में कमी लाने और साइबर संसार व कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने को नियंत्रित करने के लिए नियम-कायदे बनाने पर भी जोर दिया।

ईरान में हिंसक हुआ हिजाब के विरोध में महिलाओं का विरोध प्रदर्शन, अब तक 5 लोगों की मौत

तेहरान । ईरान में हिजाब के खिलाफ शुरू हुआ महिलाओं का विरोध प्रदर्शन अब हिंसक हो गया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ हुई झड़पों में कम से कम पांच लोग मारे गए हैं। इस घटना के विरोध में 3 दिन से प्रदर्शन हो रहे हैं और राजधानी तेहरान तक में प्रदर्शनकारियों की ईरान के सुरक्षा बलों के साथ झड़प हुई है। यह प्रदर्शन ईरान की धार्मिक पुलिस के हाथों एक महिला की मौत के बाद शुरू हुआ। बताया जाता है कि महिला ने सार्वजनिक स्थान पर सही तरीके से हिजाब नहीं पहना था। इस कारण पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और वैन के पास जमकर पिटाई की। बुरी तरह से घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद ईरान में महिलाओं ने हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कई महिलाओं ने अपने बाल काटकर उसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने पूरे प्रकरण की जांच की मांग की है। अमेरिका ने इस्लामिक गणराज्य से महिलाओं पर व्यवस्थागत अत्याचार समाप्त करने की मांग की है। इटली ने भी मौत की निंदा की है। वहीं, ईरान ने आलोचनाओं को खारिज करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित करार दिया। संयुक्त राष्ट्र निकाय ने कहा कि ईरान की सदाचार पुलिस ने हाल के महीनों में गश्त में बढ़ोतरी की है जिसमें महिलाओं को हिजाब नहीं पहनने पर निशाना बनाया जा रहा है। निकाय ने कहा कि वह उस वीडियो को सत्यापित करेगा जिसमें ठीक से हिजाब नहीं पहनने पर महिला को थप्पड़ मारते, डंडे से पीटते और पुलिस वैन में जबरन धकेलने की घटना दिख रही है। गौरतलब है कि गत मंगलवार को इसी तरह की गश्त के दौरान सदाचार पुलिस, 22 वर्षीय महसा अमीनी को पुलिस थाने ले गई थी, जहां वह बेहोश हो गई और तीन दिन बाद उसकी मौत हो गई। ईरान की पुलिस ने अमीनी से दुर्व्यवहार करने से इनकार करते हुए कहा कि उसकी मौत हृदय गति रुकने से हुई है। अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

न्यूयार्क में ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रोस और जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशीडा हाथ मिलाते हुए।

तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने फिर राग कश्मीर राग, संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में

जिनेवा । तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में अपने संबोधन के दौरान कश्मीर मुद्दा उठाया। एर्दोगन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान अपनी आजादी के 75 साल बाद भी कश्मीर में शांति स्थापित नहीं कर सके हैं। तुर्की के राष्ट्रपति ने क्षेत्र में 'स्थायी शांति की आशा व्यक्त की। एर्दोगन ने यूएनजीए में कहा कि भारत और पाकिस्तान, 75 साल पहले अपनी संप्रभुता और स्वतंत्रता स्थापित करने के बाद भी अभी भी एक-दूसरे के बीच शांति और एकजुटता स्थापित नहीं की है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम आशा और प्रार्थना करते हैं कि एक निष्पक्ष और स्थायी शांति और समृद्धि स्थापित हो। तुर्की के राष्ट्रपति ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद एक हफ्ते से भी कम समय में कश्मीर मुद्दा उठाया। इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी और एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की।

अमेरिका ने चीन के सर्वश्रेष्ठ लड़ाकू विमान को बताया कूड़ा-करकट, 2027 तक की ताइवान प्लानिंग पर कही ये बात

कीव (एजेंसी)।

ताइवान के मुद्दे पर चीन और अमेरिका के बीच तनातनी लगातार जारी है। दोनों देशों के बीच लगातार बयानबाजी का दौर भी जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बीते दिनों ये कहकर ड्रैगन को और परेशान कर दिया कि यदि चीन स्वशासित ताइवान पर हमला करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी सेना उसकी रक्षा करेगी। जिसके बाद बौखलाए चीन ने पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिका से स्पष्ट रूप से कहा कि वह देश को विभाजित करने के उद्देश्य से की गयी किसी भी गतिविधि को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा और अपनी संप्रभुता की रक्षा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। अब एक बार फिर अमेरिका की तरफ से चीन को लेकर निशाना साधा गया है।

प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी वायु सेना के प्रमुख चीन की चुनौती को कमतर नहीं आंकते। लेकिन जब ताइवान पर संभावित आक्रमण की बात आती है, तो उनका मानना है कि बीजिंग और उसके शीर्ष सैन्य योजनाकारों को द्वीप राष्ट्र पर कब्जा करने की उनकी क्षमता के बारे पहले सोचना चाहिए। पीएसीएएफ कमांडर जनरल केनेथ विल्सबैक ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि चीन का जे-20, जो उत्पादन में सबसे उन्नत लड़ाकू है वो कूड़ा-कड़कट के समान है। अमेरिकी पांचवें -जेन फाइटर्स चीनी निर्मित जेट विमानों के मुकाबले अमेरिकी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बेहद उन्नत हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या चीन 2027 तक ताइवान पर आक्रमण करने में सक्षम होगा। वजह ये है कि इस तारीख को कई अधिकारियों ने वर्षों से निर्धारित किया। विल्सबैक ने स्वीकार किया कि यह बीजिंग के लिए एक लक्ष्य हो सकता है। लेकिन यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के परिणाम को देखकर उसे सोचना चाहिए कि ये समयरेखा अभी भी यथार्थवादी है।

चीन ने ताइवान के प्रति रुख नरम किया, शांतिपूर्ण विलय की बात की

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने ताइवान के प्रति अपने रुख को नरम करते हुए बुधवार को कहा कि स्वशासित द्वीप का चीन के अधीन आना निश्चित है लेकिन वह इसे शांतिपूर्ण तरीके से करने का प्रयास करेगा। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल में बयान दिया था कि अगर चीन, ताइवान पर हमला करता है तो उनका देश स्वशासित द्वीप की रक्षा करेगा। एक दिन पहले ही अमेरिकी और कनाडा युद्धपोत ताइवान जलडमरु मध्य से गुजरे थे, जिसके बाद चीन की ओर से यह बयान आया है।

चीन द्वारा ताइवान के खिलाफ ताकत के इस्तेमाल करने को लेकर बढ़ रही चिंता के बारे में पूछे जाने पर ताइवान मामले के सरकारी प्रवक्ता मा शिआओगुआंग ने कहा, ''मैं दोहराना चाहता हूं... हम पूरी गंभीरता और ईमानदारी से शांतिपूर्ण एकीकरण की कोशिश करने के इच्छुक हैं।'' गौरतलब है कि वर्ष 1949 के गृहयुद्ध में चीन और ताइवान अलग हो गए थे एवं मुख्य भूमि पर कम्युनिस्ट पार्टी का कब्जा हो गया था जबकि ताइवान पर

प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रवादियों ने अपनी सरकार बनाई। ताइवान मुद्दे पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान मा ने अपने जवाब में ताकत शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, जैसा कि पूर्व में वह कहते थे।

उन्होंने कहा कि ताइवान या उसके अंतरराष्ट्रीय समर्थकों द्वारा किसी उकसावे की कार्रवाई करने पर चीन '' ठोस कदम'' उठाएगा। मा ने कहा कि चीन ताइवान की मदद करने के लिए और नीतियों को लागू करेगा, चीन के साथ एकीकरण के लाभ को रेखांकित करेगा और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा, ''मातृभूमि को एकीकृत होनी चाहिए और (यह)निश्चित तौर पर एकीकृत होगी। यह ऐतिहासिक परिपाटी है, जिसे कोई रोक नहीं सकता।

भारत और अमेरिका को एक दूसरे से नजदीक लाते हैं समान लक्ष्यः जितेंद्र सिंह

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका दौरे पर गए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत और अमेरिका के समान लक्ष्य और हित हैं, जो दोनों देशों को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। उन्होंने अमेरिकी वैज्ञानिक समुदाय व उद्यमियों से स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा व अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अपने भारतीय समकक्षों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। भारत के अमेरिका में राजदूत तरनजीत सिंह संधू द्वारा इंडिया हाउस में उनके सम्मान में आयोजित एक स्वागत समारोह में जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे एक समान लक्ष्य हैं। इसलिए हम एक जैसी स्थिति में हैं, यह हमारी निकटता का मजबूत आधार बन सकता है। हम साथ मिलकर काम करेंगे तो चमत्कारिक नतीजे आना तय है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और व्यापार के क्षेत्र में पहले की तुलना में कहीं बेहतर माहौल प्रदान किया है।

इस समारोह में कई सांसदों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों थिंक टैंक समुदाय' के सदस्यों और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में अब एक ऐसी सरकार है, जिसके प्रमुख के पास लीक से हटकर सोचने और वर्जनाओं को तोड़ने की सामर्थ्य है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष, भू-स्थानिक आदि दोनों देशों के साथ-साथ काम करने के लिए कुछ उचित क्षेत्र हैं। जितेंद्र सिंह ने कहा कि आप इस बात की सराहना करेंगे कि कई सालों के बाद अंतरिक्ष विभाग को संयुक्त पहल, संयुक्त उद्यम और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। हम अंतरराष्ट्रीय निवेश की भी उम्मीद कर रहे हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत संधू ने अपने संबोधन में शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-अमेरिका संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अगले सेना प्रमुख की नियुक्ति पर भगोड़े भाई से सलाह लेने के लिए शहबाज पर देशद्रोह का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की विधानसभा ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ बहुमत से एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें नए सेना प्रमुख की नियुक्ति के संबंध में अपने भगोड़े बड़े भाई नवाज शरीफ से मशविरा करने के लिए देशद्रोह के आरोप के तहत मुकदमा चलाने की मांग की गई है। पंजाब के संसदीय कार्य मंत्री बशारत राजा ने संविधान के अनुच्छेद 6 (देशद्रोह) के तहत प्रधानमंत्री शरीफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सदन में प्रस्ताव पेश किया। पंजाब में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान नीत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी और उसकी सहयोगी पीएमएलक्यू का शासन है।

पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने कुछ दिन पहले लंदन में एक भगोड़े नवाज शरीफ से नए सेना प्रमुख की नियुक्ति के संबंध में मशविरा किया जो तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। प्रस्ताव के अनुसार यह मशविरा संवेदनशील जानकारी असंबंधित लोगों से साझा नहीं करने की प्रधानमंत्री की शपथ का उल्लंघन है बल्कि सेना जैसी संस्था का अपमान भी है। प्रधानमंत्री शहबाज ब्रिटेन की दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लंदन में थे। प्रधानमंत्री ने लंदन की अपनी इस यात्रा के दौरान नवाज शरीफ से भी मुलाकात की और उनके साथ अगले सेना प्रमुख की नियुक्ति को लेकर चर्चा की।

पुतिन ने 3 लाख सैनिकों को जंग के लिए तैयार होने के दिए ऑर्डर, कहा- हल्के में ना लें, खतरा मंडराया तो एटमी हमला भी कर सकते हैं

कीव (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ अपने युद्ध में बड़े झटके के बाद रूस में आंशिक सैन्य लामबंदी की घोषणा कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश रूस को तबाह व कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। इन देशों ने हद पार कर दी है। इसके साथ ही पुतिन ने पश्चिमी देशों को चेतावनी भी दी। पुतिन ने पश्चिम को ये भी चेतावनी दी कि यह कोई झांसा नहीं है कि रूस अपने क्षेत्र की रक्षा के लिए सभी साधनों का उपयोग करेगा। रूस के रक्षा मंत्री ने कहा कि देश में 3,00,000 रिजर्व सैनिकों को तैनात किया जाएगा।

उन्होंने परमाणु खतरे की भी निंदा करते हुए कहा कि रूस के पास ÷पश्चिमी खतरों÷ का जवाब देने के लिए ÷बहुत सारे हथियार÷ हैं। अगर हमारे देश की क्षेत्रीय अखंडता को खतरा है, तो हम अपने लोगों की रक्षा के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सकते हैं। पूर्वी

और दक्षिणी यूक्रेन में अलगाववादियों द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों में रूस के अभिन्न अंग बनने पर जनमत संग्रह कराने की योजना की घोषणा के एक दिन बाद रूसी प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन आया है।

पुतिन ने अपने संबोधन के दौरान यूक्रेन में सेना के मौजूदा हालात और वहां के स्थिति के बारे में देश की जनता को रूबरू कराया। पुतिन ने पश्चिमी देशों पर ''परमाणु ब्लैकमेलिंग'' करने का आरोप लगाया, साथ ही ''रूस के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना संबंधी नाटो देशों के शीर्ष प्रतिनिधियों के बयानों '' का भी जिक्र किया।

59 साल में पहली बार पृथ्वी के बेहद करीब होगा बृहस्पति ग्रह, नासा ने दी जानकारी

25 से 26 सिंतबर के बीच होगी यह अदभुत खगोलिया घटना

वॉशिंगटन(एजेंसी)।

हमारे सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति 26 सितंबर को पृथ्वी के काफी नजदीक होगा है। 59 साल में यह पहली घटना होगी, जब बृहस्पति ग्रह पृथ्वी के इतने करीब होगा। अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया कि यह विशाल ग्रह सूर्य के ठीक विपरीत दिशा में दिखेगा। बृहस्पति के दिशा बदलने की घटना को वैज्ञानिक भाषा में अपोजिशन कहा जाता है। बृहस्पति ग्रह के लिए अपोजिशन आम बात है, यह हर 13 महीने में एक बार होता है। इसके बाद हर साल पृथ्वी और बृहस्पति काफी नजदीक आते हैं, लेकिन इस बार इन दोनों ग्रहों के बीच में दूरी काफी कम होगी। इसके बाद पृथ्वी से बृहस्पति ग्रह सामान्य की अपेक्षा काफी बड़े आकार का दिखाई देगा।

25 और 26 सितंबर को सूर्य और बृहस्पति के बीच पृथ्वी को देखना काफी दुर्लभ घटना होगी। इस पेरिगी के रूप में जाना जाता है। 25 सितंबर को पृथ्वी और बृहस्पति ग्रह की दूरी सबसे कम होगी, जबकि 26 को सूर्य के उल्टी दिशा में दिखाई देगा। पृथ्वी के काफी करीब आने से गैस से बना यह विशाल ग्रह असामान्य रूप से काफी चमकीला और बड़ा दिखाई देगा। इसके बाद यह घटना स्काईवॉचर्स के लिए एक बड़ी घटना साबित हो सकती है। मौसम के साफ रहने और अंधकार ज्यादा होने पर लोग दूरबीन की मदद से बृहस्पति को काफी नजदीक से देख पाएंगे।

नासा के मार्शल स्पेस फ्लाइट सेंटर के खगोल वैज्ञानिक ने कहा कि 26 सितंबर से पहले और बाद के कुछ दिनों में भी बृहस्पति काफी चमकीला और बड़ा दिखाई देगा। इसतरह 25 और 26 सितंबर को अच्छे मौसम में इस ग्रह को काफी नजदीक से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को इन तारीखों का लाभ उठाकर साफ मौसम में नजारे का आनंद लेना चाहिए। यह रात में सबसे चमकदार सितारों में से एक होगा।

सौर मंडल के ग्रह सूर्य की परिक्रमा गोलाकार न करके अंडाकार पथ पर करते

हैं। इसलिए पृथ्वी और बृहस्पति अलग-अलग दूरी पर पथ को पार करते हैं। पृथ्वी को सूर्य की परिक्रमा करने में लगभग 365 दिन लगते हैं, जबकि बृहस्पति को सूर्य की परिक्रमा करने में 4333 दिन लगते हैं। इसका मतलब हुआ कि बृहस्पति 12 साल में एक बार सूर्य की परिक्रमा को पूर्ण करता है। सबसे अधिक नजदीक होने पर पृथ्वी और बृहस्पति में दूरी 590 मिलियन किलोमीटर होगी। वहीं, सबसे अधिक दूर जाने पर पृथ्वी और बृहस्पति में दूरी 960 मिलियन किमी होती है।

सार समाचार

कश्मीर में सिनेमा हॉल खुलते ही ओवैसी को याद आई मस्जिद, पुलिस के जवाब से बंद हो गई बोलती

नई दिल्ली । एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी लगातार मुस्लिमों को लेकर सरकार पर आरोप लगाते रहते हैं। जम्मू कश्मीर में धारा 370 के हटने के बाद विकास की रफ्तार देखी जा रही है। इसी कड़ी में कश्मीर में तीन दशकों के बाद सिनेमा हॉल की वापसी हुई है। लेकिन, असदुद्दीन ओवैसी की आंखों में

यह चुभने लगा है। तभी तो उन्होंने मस्जिद का जिक्र कर दिया। ओवैसी ने कुछ तस्वीरों को ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा कि घाटी में थिएटर खोल दिए गए। लेकिन मस्जिद को बंद कर दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कम से कम दोपहर में मैटिनी शो के दौरान इसे खोलने का आदेश दें। लेकिन अब जम्मू कश्मीर पुलिस की ओर से कुछ ऐसा जवाब दिया गया है जिससे कि ओवैसी की बोलती बंद हो गई। जम्मू कश्मीर पुलिस ने साफ तौर पर कहा कि जामिया मस्जिद पूरी तरह से खुला है, कोविड-19 के बाद केवल तीन मौकों पर ही बंद किया गया है। इसे आतंकवादी हमले / कानून और व्यवस्था की स्थिति के इनपुट के कारण शुक्रवार दोपहर की प्रार्थना के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। यह जामिया के अधिकारियों द्वारा अंदर की घटनाओं की जिम्मेदारी लेने में विफल होने के बाद था। दूर रहना अज्ञानता का बहाना नहीं है। इसके साथ ही एक फोटो के साथ पुलिस ने लिखा कि पिछले शुक्रवार की दोपहर की प्रार्थना से जामिया के अंदर की यह तस्वीर झूठ का पर्दाफाश करने के लिए काफी है। झूठे तथ्य को ट्वीट करना एक बात है, जबकि गोलपोस्ट को स्थानांतरित करके नकली तथ्य से चिपके रहना अगला स्तर है। 29 अप्रैल, 3 मई और 10 जुलाई 3 तारीखें हैं जब पोस्ट कोविड बंद हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा...सबसे ज्यादा हेट स्पीच मीडिया और सोशल मीडिया पर होती

नई दिल्ली। हेट स्पीच मामले की सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सबसे ज्यादा हेट स्पीच मीडिया और सोशल मीडिया पर होती है। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हमारा देश किधर जा रहा है? टीवी प्रस्तुतकर्ता की बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन टीवी प्रस्तुतकर्ता गेस्ट को समय तक नहीं देते हैं। इसतरह के माहौल में केंद्र सरकार चुप क्यों है? कोर्ट ने कहा कि एक सख्त नियामक तंत्र स्थापित करने की जरूरत है। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो हफ्ते में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अब 23 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट मामले में अगली सुनवाई करेगा।
सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार पर सवाल उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब धर्म संसद होने जा रही थी, तब आपने क्या कार्रवाई की? क्या आपने इस रोका? इस पर उतराखंड सरकार ने कहा कि हमारे द्वारा धारा 144 लगाई और 4 लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं राज्य सरकार कार्रवाई कर रही है।
जस्टिस जोसेफ ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी धर्म हिंसा का प्रचार करता है। कोर्ट ने कहा कि इन मामलों में सजा ऐसी होनी चाहिए कि वह एक मॉडल बने। कोशिश करनी चाहिए कि विशाखा गाइडलाइन की तरह सीमाओं के भीतर हम जो कर सकते हैं वह करें। कोर्ट ने कहा क? असली समस्या संस्थाएं हैं, धर्म क्या है यह मत देखिए?

महबूबा से फारुक ने पूछा, हिंदू के अजमेर दरगाह में जाने पर वहां क्या मुसलमान बन जाएगा

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में बापू के प्रिय भजन रघुपति राघव भजन गाने को लेकर विवाद लगातार जारी है। जहां पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती भजन को लेकर बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व पर निशाना साध रही हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला का रूख महबूबा बेहद ही अलग है। उन्होंने कहा कि वे भी भजन गाते हैं, इसमें गलत क्या है? फारूक अब्दुल्ला ने पूछा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और भजन करने में क्या गलत है। हम द्वि-राष्ट्र सिद्धांत में विश्वास नहीं करते हैं। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। अगर मैं भजन करता हूं, तब क्या यह गलत है? उन्होंने महबूबा का मजाक उड़ाकर पूछा कि क्या एक हिंदू भक्त अजमेर दरगाह में जाने पर मुसलमान बन जाएगा।
महबूबा ने स्कूली छात्रों के साथ महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन 'रघुपति राघव राजा राम' गाते हुए एक वीडियो साझा किया था। उन्होंने तर्क दिया कि यह भाजपा का हिंदुत्व का एजेंडा है। महबूबा ने कहा, कश्मीर में धार्मिक विद्वानों को कैद करने, जुमा मस्जिद को बंद करने और स्कूली बच्चों को हिंदू भजन सुनाने के लिए मजबूर करने से केंद्र सरकार के हिंदुत्व के एजेंडे का पर्दाफाश होता है। 'रघुपति राघव ... का पाठ गांधी की 153वीं जयंती को चिह्नित करने के लिए होने वाली गतिविधियों की एक श्रृंखला का हिस्सा था। चूंकि 'रघुपति राघव...' गांधीजी के पसंदीदा भजनों में से एक था, इसलिए यह समारोह का हिस्सा बनाया गया। जिसपर महबूबा ने कुलगाम स्कूल में छात्रों के 'रघुपति राघव राजा राम' गाते हुए वीडियो साझा करते हुए, मुफ्ती ने कहा, धार्मिक विद्वानों को जेल में डालना, जामा मस्जिद को बंद करना और यहां स्कूली बच्चों को हिंदू भजन गाने के लिए निर्देशित करना कश्मीर में भारत सरकार के असली हिंदुत्व एजेंडा को उजागर करता है।

खुद को सांसद का पीए बताया, नगर निगम में नौकरी दिलाने का वादा करके ठगे 250000 लाख

लुधियाना । सांसद रवनीत बिट्टू का पीए बताने वाले नौसरबाज ने नगर निगम में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से ढाई लाख रुपए ठग लिए हैं। असलियत सामने आने पर पीड़ित ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। थाना टिब्बा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है। एएसआइ बलविंदर सिंह ने बताया कि आरोपी की पहचान धमोटिया कालोनी की गली नंबर 2 निवासी संदीप शर्मा के रूप में की गई है। पुलिस ने सलेम टाबरी के अशोक नगर की गली नंबर 5 निवासी कमल किशोर की शिकायत पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि उसकी जून 2020 में आरोपी से मुलाकात हुई थी, जिसमें उसने खुद को सांसद बिट्टू का पीए बताया था। उसने कहा कि वह उसकी नगर निगम में सरकारी नौकरी लगवा देगा। मगर उसके लिए उसका ढाई लाख रुपये खर्च आ जाएगा। उसकी बातों में आकर उसने आरोपी को वह रकम दे दी। मगर बाद में न तो उसने नौकरी लगवाई और न ही उसके रुपए वापस किए। छानबीन में पता चला कि आरोपित का सांसद बिट्टू से कोई लेना-देना नहीं है। उसने सांसद का नाम लेकर उसके साथ ठगी की है। औद्योगिक शहर में ठगी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यहां रिश्तेदार बनकर ठगी के भी पिछले दिनों कई मामले सामने आए थे। ठग अब तक 100 करोड़ रुपए की ठगी कर चुके हैं। पुलिस ने 20 के करीब आपराधिक मामले दर्ज किए हैं।

मास्क सही तरीके से नहीं पहना तो बज उठेगा अलार्म, दसवीं की छात्रा ने तैयार किया माडल

सोलन । इन दिनों कोरोना संक्रमण भले ही कम हो गया हो, लेकिन इससे बचाव के विभिन्न उपायों पर शोध का क्रम अब भी जारी हैं। जिला कुल्लू के बंजार निवासी दसवीं की छात्रा मिशेल प्रभात ने ई-मास्क व ई-बैंड का माडल बनाया है। छात्रा ने बताया कि लोग सही तरीके से मास्क नहीं पहन रहे हैं। इसलिए उन्होंने ऐसा मास्क बनाने की सोची जिसे सही तरीके से नहीं पहनने पर अलार्म बज उठे।
उन्होंने अपने स्कूल में एटीएल (अटल टिंकरिंग लैब) की मदद से ई-मास्क बना डाला। ई-मास्क में कोडिंग की गई है। कोडिंग के चलते यदि व्यक्ति मास्क सही से नहीं पहनेगा तो अलार्म बज उठेगा। यह मास्क जहरीली गैसों से बचाव व अस्पतालों में उपयोग के लिए बेहतर है। यह मास्क लगाने से कानों में भी दर्द नहीं होगा। इसकी लागत भी बेहद कम है। मिशेल ने ई-बैंड तकनीक भी विकसित की है। यह ई-बैंड दो व्यक्तियों में एक मीटर से कम दूरी होने पर अलर्ट करेगा। इसे भी कोडिंग करके बनाया गया है। केंद्र सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय की ओर से चलाई जा रही इंस्पायर अवार्ड मानक की 13 से 16 सितंबर तक दिल्ली में राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें मिशेल प्रभात का माडल देश के श्रेष्ठ 60 माडलों में चयनित हुआ है।
एससीईआरटी (राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद) सोलन में इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता के राज्य नोडल अधिकारी ने कहा कि प्रदेश से राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए पांच विद्यार्थियों का चयन हुआ था, लेकिन कुछ विद्यार्थियों की परीक्षा होने के चलते एक ही छात्रा ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। उसका माडल बेस्ट 60 के लिए चयनित हुआ। अब विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय छात्रा को विदेश भ्रमण का मौका देगा। छात्रा का माडल भी पेटेंट हो सकता है।

ज्ञानवापी और मदरसों को लेकर हंगामे के बीच मुस्लिम नेताओं ने मोहन भागवत के साथ बंद कमरे में की बड़ी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के एक साहसिक फैसले से मुस्लिम राजनीति में भूचाल आ गया है। एक ओर जहां मुस्लिम वोटों की राजनीति करने वाले नेता योगी सरकार पर आग बबूला हो रहे हैं वहीं मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवियों ने आरएसएस प्रमुख के साथ मुलाकात कर मौजूदा मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान खोजने पर सहमति जताई है। जहां तक योगी सरकार के फैसले की बात है तो आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने एक झटके में 33 साल पुराने एक कानून को खत्म करके राज्य वक्फ बोर्ड के पर कतर दिए हैं। गौरतलब है कि अब तक यह बोर्ड जमीन कब्जाने का खुला खेल खेला करता था।

इस बीच, योगी सरकार की ओर से पहले मदरसों का सर्वे कराने का आदेश और अब वक्फ बोर्ड पर शिकंजा कसने से मुस्लिम वोटों के सौदागारों ने खूब हो हल्ला मचाना शुरू कर दिया है। विपक्ष योगी सरकार पर मुस्लिमों को परेशान करने का आरोप लगा रहा है लेकिन सरकार का कहना है कि यह सब मुस्लिम समाज के हित में है।

दूसरी ओर, इस सब विवाद के बीच,

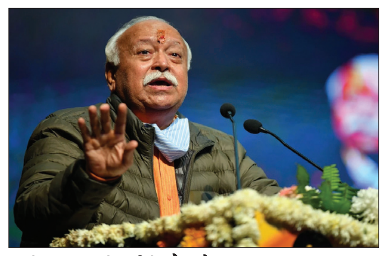

मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की है। हम आपको बता दें कि मोहन भागवत हाल ही में दिल्ली के दौरे पर थे जिस दौरान पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस.वाई. कुरैशी और दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग समेत मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक समूह ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की और देश में सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत करने की योजना तैयार की। बताया जा रहा है कि इस बैठक में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जमीरुद्दीन शाह, पूर्व सांसद शाहिद सिद्दीकी और परोपकारी सईद शेरवानी भी शामिल थे। यह बैठक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अस्थायी कार्यालय उदासीन आश्रम में बंद कमरे में हुई थी। दो घंटे तक चली बैठक के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाने और अंतर-सामुदायिक संबंधों में सुधार पर व्यापक चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि इस बैठक के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद और नूपुर शर्मा की हालिया टिप्पणियों से उपजे विवाद जैसे किसी विवादास्पद मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई।

हम आपको बता दें कि यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब ज्ञानवापी मस्जिद के मुद्दे पर अदालतों में सुनवाई हो रही है और उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड की भाजपा सरकारों ने मदरसों का सर्वे कराने का निर्णय लिया है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में देश में सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए एक मंच बनाने का निर्णय लिया गया है। बताया जा रहा है कि बैठक में भागवत और बुद्धिजीवियों के समूह ने सहमति व्यक्त की कि समुदायों के बीच सांप्रदायिक सद्भाव व सुलह को मजबूत किए बिना देश प्रगति नहीं कर सकता। बैठक में दोनों पक्षों ने सांप्रदायिक सद्भाव व समुदायों के बीच मतभेदों को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया और इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए एक योजना तैयार की गई। बताया जा रहा है कि बैठक में देश के समग्र कल्याण के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण का पालन करने पर भी चर्चा हुई।

दिल्ली पुलिस ने नवा शेवा पोर्ट से पकड़ी 1,725 करोड़ रुपए की ड्रग, अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़े ड्रग रैकेट का खुलासा किया है। दिल्ली पुलिस ने अब तक के इतिहास में सबसे बड़ा ड्रग जखीरे का पकड़ा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई के नवा शेवा पोर्ट के एक कंटेनर से हेरोइन की सबसे बड़ी बरामदगी हुई है। जब्त हेरोइन का वजन करीब 22 टन है, जो लीकोरिस से लेपी गई थी। जब्त की गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 1,725 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि इस भेजने वाला अफगान नागरिक है, जो पाकिस्तान में है। इस ड्रग को भेजने वाली कंपनी अफगानिस्तान की है और कंसाइनिंग कंपनी दुबई की है। यह हमारे पड़ोसी देश में स्थित एक पोर्ट से चला है। इसके पीछे अफगान नागरिक है, जिस गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गत दिनों दिल्ली से गिरफ्तार किए गए दो अफगानी मूल के ड्रग्स तस्करों की निशानदेही पर 312.4 किलो मेथामफेटामाइन व 10 किलो हेरोइन की बरामदगी की थी। यह बरामदगी लखनऊ स्थित काकोरी में बनाए गोदाम व दिल्ली के बदरपुर में खड्डा कालोनी स्थित फैक्ट्री से की गई है। दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों के कब्जे से यह अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी होने का दावा किया है। बरामद सिंथेटिक ड्रग्स की कीमत 1200 करोड़ रुपये होने का दावा किया गया है। कहा जा रहा है कि इस तरह के सिंडिकेट द्वारा ड्रग्स तस्करी से जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए किया जाता है।

भारत-चीन तनाव के बीच भारतीय सेना और नौसेना प्रमुख ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच तनाव तो कम हो गया है लेकिन यह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इसी बीच सेना प्रमुख और नोसैना प्रमुख के जो बयान आये हैं वह दर्शाते हैं कि चीन कठिन चुनौती बना हुआ है और भारत हर स्थिति का सामना करने के लिए अपनी तैयारियां कर रहा है। हम आपको बता दें कि सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध से कुछ प्रमुख सीख मिलीं, जिनमें ''हर समय उच्च स्तर की परिचालन तैयारियों बनाये रखना'' और बुनियादी ढांचे में सुधार करना शामिल है। उन्होंने 'इंडिया डिफेंस कॉन्क्लेव' में हुई परिचर्चा के दौरान एक सवाल के जवाब में यह बात कही। मेजबान द्वारा यह पूछे जाने पर कि पूर्वी लद्दाख में गोगरा-हॉटस्प्रिंग में 'पेट्रोलिंग पॉइंट 15' से भारतीय और चीनी सैनिकों के हाल में पीछे हटने के बाद अगला कदम क्या है, इस पर जनरल पांडे ने कहा, ''हमने गतिरोध वाले बिंदुओं से सैनिकों के पीछे हटने के संदर्भ में प्रगति की है। हमारे पास अभी भी गतिरोध वाले दो बिंदु हैं, जहां हमें प्रगति करने की आवश्यकता है।%% उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि हम इन गतिरोध वाले बिंदुओं को लेकर समाधान निकाल लेंगे।'' इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर सेना प्रमुख ने कहा, ''जम्मू कश्मीर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।''

वहीं, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने चीन के बारे में एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा है कि चीन एक कठिन चुनौती बना हुआ है, जिसने ना सिर्फ भारत की स्थल सीमा पर बल्कि समुद्री क्षेत्र में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में नियमित रूप से नजर रखे हुए है। हम आपको बता दें कि 'भारत की नौसेना क्रांति- एक सागरीय शक्ति बनने' संबंधी विषय पर एक कार्यक्रम में मुख्य भाषण देते हुए नौसेना प्रमुख ने देश के लिए पारंपरिक और अन्य सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा, ''आर्थिक संकट के बावजूद, पाकिस्तान ने अपना सैन्य आधुनिकीकरण जारी रखा है, खास तौर पर अपनी नौसेना का जो करीब 2030-2035 तक 50 प्लेटफार्म बल में तब्दील होने की राह पर है।'' उन्होंने कहा, ''इन पारंपरिक सैन्य चुनौतियों के कायम रहने के साथ-साथ आतंकवाद एक बड़ा सुरक्षा खतरा बना हुआ है क्योंकि इसका आकार व दायरा बढ़ना जारी है।'' एडमिरल आर. हरि कुमार ने कहा कि प्रतिदिन के आधार पर प्रतिस्पर्धा हो रही है, ऐसे में संभावित विरोधियों के साथ युद्ध से कभी इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ''इस संबंध में, चीन एक कठिन चुनौती बना हुआ है और उसने न सिर्फ हमारी स्थल सीमा पर, बल्कि समुद्री

लूट रोधी अभियानों के सहारे समुद्री क्षेत्र में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है ताकि वह हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की मौजूदगी को सामान्यीकृत कर सके। बाद में उन्होंने मंच पर बातचीत में कहा कि चीन हिंद महासागर में 2008 से है और जिबौती में एक सैन्य अड्डा भी बनाया है। साथ ही, वह क्षेत्र में श्रीलंका, म्यांमा और पाकिस्तान तथा अन्य देशों के समुद्र तटों पर भी विभिन्न बंदरगाह विकसित कर रहा है। नौसेना प्रमुख ने कहा, ''हम हिंद महासागर क्षेत्र में उनकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने इसके साथ ही कहा है कि जहाजों और पनडुब्बियों के उत्पादन से लेकर कलपुर्जों एवं हथियारों तक, भारतीय नौसेना 2047 तक ''पूरी तरह से'' आत्मनिर्भर होगी। एडमिरल कुमार ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष से बहुत कुछ सीखने को है, जिसमें नयी तकनीक, साइबर स्पेस और सभी तरह के गोला-बारूद का उपयोग देखा गया।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को करेंगे संबोधित

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को गुजरात के एकता नगर में आयोजित होने वाले विभिन्न राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मोदी इस अवसर पर

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। पीएमओ ने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना को आगे ले जाते हुए बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण का उन्मूलन और लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरन्मेंट (लाइफ) को ध्यान में रखते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौती का प्रभावी मुकाबला करने की राज्यों की कार्य योजनाओं जैसे मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच और अधिक तालमेल बनाने के लिए इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। बयान में कहा गया कि सम्मेलन में अवक्रमित भूमि की बहाली और वन्यजीव संरक्षण पर विशेष जोर देने के साथ ही वन क्षेत्र बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। तेईस और 24 सितंबर को आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय सम्मेलन में छह विषयगत सत्र होंगे। इनमें लाइफ, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां, पर्यावरण परियोजनाओं के लिए एकल खिड़की निकासी सुविधा से जुड़ी परिवेश योजना, वन प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण व रोकथाम, वन्यजीव प्रबंधन और प्लास्टिक और कचरा प्रबंधन जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

विपक्षी नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कराना केंद्र की प्रमुख परियोजना प्रतीत होती है: शरद पवार

मुंबई। (एजेंसी)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कराना और उन्हें गिरफ्तार करवाना केंद्र की प्रमुख परियोजना है। पवार ने यहां पत्रकारों से कहा, '' अगर आप आज का समाचार पत्र देखेंगे तो उसमें केंद्रीय जांच एजेंसियों ने किस तरह विपक्षी दलों व उनके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई तेज की है उसका पूरा ब्योरा है। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कराना और उन्हें गिरफ्तार करवाना केंद्र की प्रमुख परियोजना है।''

पवार ने कहा कि जब भी उन्हें (सरकार को) चुनाव के नतीजों को लेकर संदेह होता है तो इस प्रकार के कदम महत्वपूर्ण कार्य के तौर पर

उठाए जाते हैं। समाज के सामने मौजूद चुनौतियां और मुद्दे दरकिनार कर दिए जाते हैं। राकांपा नेता ने कहा कि हम इसका राजनीतिक तरीके से जवाब देंगे। पात्रा चॉल के पुनर्विकास से जुड़े धनशोधन के मामले की प्रमुख गवाह ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कथित तौर पर कहा है कि 2008-09 में इलाके के कुछ निवासियों ने चॉल के पुनर्विकास के लिए स्थानीय राजनेताओं के माध्यम से राकांपा प्रमुख शरद पवार से संपर्क किया था।

राजनीतिक हितों के लिए बदला जा रहा इतिहास,

अलीपुर संग्रहालय उद्घाटन समारोह में ममता ने बिना नाम लिए साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अलीपुर संग्रहालय का उद्घाटन किया। संग्रहालय को जज कोर्ट रोड पर तत्कालीन अलीपुर केंद्रीय सुधार गृह के परिसर में विकसित किया गया है। अलीपुर संग्रहालय के उद्घाटन पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने ने इशारों इशारों में बीजेपी को एक बार फिर से निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक उद्देश्य के जरिये वास्तविक ऐतिहासिक घटनाओं, भूगोल और विज्ञान को बदलने की आवधारणा का मिशन चल रहा है। जिससे की नई पीढ़ी को देश की सच्चाई और स्वतंत्रता संग्राम के बारे में पता न चले।

ममचा बनर्जी ने कहा कि हमारे इतिहास को संरक्षित करने की जरूरत है। । इसलिए हमने नेताजी से जुड़ी फाइलों का डिजिटलीकरण किया है और उन्हें जनता को सौंप दिया है। बता दें कि सुधार गृह को 2019 में बंद कर दिया गया था और सभी कैदियों को बरुईपुर केंद्रीय सुधार गृह में स्थानांतरित कर दिया गया था।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष का जश्न मनाने के लिए सुधार गृह भवनों को बहाल करने और एक संग्रहालय स्थापित करने की पहल की।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 1930 में अलीपुर जेल के अंदर एकल-आवास कक्ष से कोलकाता के मेयर का चुनाव लड़ा और जीता था। यहीं पर बोस ने अपने गुरु चित्तरंजन दास के लिए खाना भी बनाया था, जब दोनों एक ही समय में कैद थे। एक युवा इंदिरा गांधी अपने पिता जवाहरलाल नेहरू से मिलने अलीपुर जेल की एक कोठरी में बंद थीं। जिन कक्षों और इमारतों में बोस, नेहरू और दास रुके थे, उनका इस्तेमाल कभी भी स्वतंत्रता के बाद अन्य कैदियों को रखने के लिए नहीं किया गया था और उन्हें इतिहास के अवशेष के रूप में संरक्षित किया गया था।

'2024 में बीजेपी को हम लोग उखाड़ फेकेंगे', अमित शाह के बिहार दौरे पर लालू बोले- उनके मन में कुछ काला है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव आज राज्य परिषद की बैठक में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपना संबोधन भी दिया। अपने संबोधन में लालू यादव ने इस जबरदस्त तरीके से भाजपा पर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने अमित शाह के बिहार दौरे को लेकर भी तंज कसा है। लालू यादव ने साफ तौर पर कहा है कि 2024 चुनाव में हम भाजपा को उखाड़ फेकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने अमित शाह के बिहार दौरे को लेकर कहा कि उनके मन में कुछ काला है। वह एक-दूसरे को लड़ाना चाहते हैं। आपको बता दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 23 सितंबर को सीमांचल के दौरे पर जा रहे हैं। वह पूर्णिया और किशनगंज में एक रैली भी करेंगे। बिहार में जदयू से अलग होने के बाद भाजपा के किसी नेता का बिहार का यह पहला दौरा है। इसके साथ ही लालू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार अच्छा काम कर रहे हैं। हर मसले पर वह हमसे राय लेते हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश जी सजग हैं और हम भी सजग हैं। लालू ने आगे कहा कि हम लोग दिल्ली जाकर सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। राजद राज्य परिषद की बैठक में उन्होंने कहा कि मैं जल्द ही नीतीश कुमार के साथ मिलकर दिल्ली जाकर सोनिया गांधी से मुलाकात करूंगा। राहुल गांधी की यात्रा के बाद राहुल से भी मुलाकात करूंगा। अपने संबोधन में लालू यादव ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा को उखाड़ने के लिए विपक्षी पार्टियों को एक मंच पर लाने की आवश्यकता है। विपक्षी पार्टियां एक मंच पर आकर मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष को एकजुट करने का काम शुरू हो गया है। बीजेपी अकेली हो गई है। पूरे देश में उसे अलग-थलग किया जा चुका है। अमित शाह के बिहार दौरे को लेकर उन्होंने कहा कि बिहार वासियों को पूरी तरह से सचेत रहने की जरूरत है। हमने कभी भी भाजपा के साथ समझौता नहीं किया। मुझे जेल जाने की भी नौबत आ गई। मैं अपनी आइडियोलॉजी पर मजबूती से कायम हूं, कई पार्टियों ने भाजपा के साथ समझौता कर घुटने टेक लिए लेकिन ना मैं झुका हूं और ना ही कभी झुकुंगा, भाजपा हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है अगर मैं झुक जाता तो मुझे इतने दिन जेल में नही रहना पड़ता। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा जैसी ताकतों से हमारा संघर्ष लगातार जारी रहेगा। इस दौरान शरद यादव ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने जेपी आंदोलन को याद करते हुए कहा कि बिहार की राजनीति बदल रही

है। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य 2024 में 40 सीट महागठबंधन को जीताना है...मैं अपने सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि अब उछल कूद नहीं करना है शांति से अपना काम करना है और लोगों को जोड़ना है। अति पिछड़ा समाज, दलित, अंतिम पायदान के लोग और गरीबों को हमें जोड़ना है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में 17 साल बाद मृतक के परिवार को मिला मुआवजा, कोर्ट ने 58.66 लाख देने का आदेश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

17 साल पहले एक ट्रक दुर्घटना में मारे गए दंपति के माता-पिता और नाबालिग बच्चों ने कुल 65 लाख मुआवजे की मांग की थी. जिसमें आज मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के न्यायाधीश बीजी गोलानी ने ट्रक चालक, मालिक और बीमा कंपनी को मृतक की संपत्ति पर ब्याज सहित कुल 58.66 लाख का भुगतान करने का आदेश दिया है.

एक ट्रक दुर्घटना में एक दंपति की मृत्यु हो गई , मूल रूप से, महुवा तालुका के बिलखडी गांव के रहने वाले 37 वर्षीय अजय शंकरभाई पटेल 18-6-2005 को अपनी पत्नी चारूलताबेन के साथ सूरत से अपने गृहनगर जा रहे थे। जिस दौरान पलसाना तालुक के तातीथिया के पास चोर्यासी तालुक के मागोब गांव राजमार्ग पर एक दुर्घटना हुई। मनोजकुमार अनासुरी के स्वामित्व वाले ट्रक के चालक सरफराजखान सिराजखान पठान ने ट्रक को लापरवाही से चलाया और कार को टक्कर मार दी। जिसमें कार चालक अजयभाई और उनके गंभीर रूप से घायल पत्नी चारतुलताबेन की मौत हो गई।

अदालत ने मृतक के परिवार को 58.66 लाख रुपये का

भुगतान करने का आदेश दिया। दंपति के वारिस, माता-पिता शंकरभाई और कमलाब, उनके नाबालिग पोते मीन और पोती न्युतिबेन के साथ, पार्टियों के रूप में, ट्रक के खिलाफ कुल 65 लाख रुपये का दुर्घटना मुआवजा मांगा ड्राइवर, मालिक और द न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी। मृतक अजयभाई 37 वर्ष के थे और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ऑफ हजीरा में फोरमैन टेक्निकल के पद पर कार्यरत थे। उनका मासिक वेतन 22 हजार रुपये था, इसलिए उनकी मृत्यु के लिए 40 लाख रुपये और दामाद चारूलताबेन 12 हजार रुपये कमा रहे थे। पीपी सवानी में काम करके प्रतिमाह होई ने अपनी मौत के लिए 25 लाख रुपये का मुआवजा मांगा। ट्रिब्यूनल जज ने ट्रक चालक, मालिक और बीमा कंपनी को मृतक के उत्तराधिकार में क्रमशः 34.28 लाख रुपये और 24.37 लाख रुपये ब्याज सहित और कुल 58.66 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है, जिसमें मृतक की उम्र और आय को ध्यान में रखा गया है। जोड़ा।

स्वर्ण पदक विजेता हरमीत देसाई के टेबल टेनिस खेल में फाइनल में पहुंचने से सुरतियों में उत्साह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के इंडोर स्टेडियम में टेबल टेनिस टूर्नामेंट शुरू होने के बाद गुजरात सुबह से ही काफी अच्छा प्रदर्शन करता दिख रहा था. सूरत के घरेलू मैदान पर खेलते हुए हरमीत देसाई बेहद शानदार प्रदर्शन के साथ फाइनल में पहुंचे हैं। सेमीफाइनल में जा रहे हरमीत देसाई के गोल्ड मेडल जीतने की संभावना

सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल को हराकर हरमीत देसाई सेमीफाइनल मैच में शुरू से ही काफी आत्मविश्वास से भरे नजर आए। आक्रामक तरीके से खेला और 3-0 से मैच जीत लिया। हरमीत देसाई का नाटक देखने के लिए बड़ी संख्या में सुरतियां मौजूद थीं। स्कूली बच्चों में खेल के प्रति रुचि विशेष रूप से देखी गई।

टेबल टेनिस खिलाड़ी हरमीत देसाई ने कहा कि गुजरात की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है. इसी वजह से हम फाइनल में पहुंचने में सफल रहे हैं।

मुझे उम्मीद है कि शाम को महाराष्ट्र और दिल्ली के बीच सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा।

फाइनल मैच विजेता के साथ खेला जाएगा। गुजरात की टीम जरूर जीतेगी। मुझे उम्मीद है कि मैच देखने के लिए सुरतीस बड़ी संख्या में आएंगे।

मालधारी समाज के आंदोलन में सुमुल की दूध वितरण गाड़ियां पुलिस पीसीआर के साथ डेयरियों में लाई गई.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मालधारी समाज द्वारा दूध का वितरण न कर प्रदेश भर में आंदोलन चलाया जा रहा है। इसलिए आज सुमुल डेयरी द्वारा दूध वितरण को अपरिवर्तित रखा गया है ताकि दूध को कोई नुकसान न हो। सुमुल की दूध वितरण गाड़ियों को पुलिस ने सुरक्षित रखा है, ताकि कोई बाधा न हो और कोई अप्रिय घटना न हो. पुलिस पीसीआर वैन के साथ सुमुल वाहनों को डेयरियों में लाया गया है।

खौफ से बचाव सूरत के सरथाना क्षेत्र में मालधारी समाज के दूध वितरण आंदोलन की पूर्व संध्या पर कुछ तत्वों ने दूध बांटने वाली डेयरियों के खिलाफ नारेबाजी की. इस वजह से स्थानीय डेयरी प्रबंधकों ने पुलिस की मदद मांगी. साथ ही, सुमुल ने पुलिस से यह सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया कि उसके वाहनों को कोई नुकसान न हो। जिसके परिणामस्वरूप आज पुलिस

द्वारा पर्याप्त व्यवस्था के साथ सुमुल डेयरी से स्थानीय विक्रेता तक दूध पहुंचाया गया। पुलिस द्वारा आयोजित दूध वितरण आज मालधारी समाज द्वारा पूरी तरह से रोक दिया गया है।

किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस द्वारा संचालित व्यवस्था की गई है। साथ ही हर तरह की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है. सुमुल की हर गाड़ी के साथ एक पुलिस पीसीआर तैनात की गई है और दूध बेचने वाले के सुरक्षित पहुंचने तक दूध की मात्रा पर पुलिस की नजर है.

सचिन जीआईडीसी गैस कांड के आरोपी की अंतरिम जमानत की मांग रद्द,

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सचिन जीआईडीसी गैस कांड मेंछह कमर्चारीयों मोत का मामला में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कृति एस. त्रिवेदीने कर्मियों की हत्या के मामले में जेल में सजा काट रहे आरोपी की मां की30 दिन की अंतरिम जमानत याचिका आज खारिज कर दी.सचिन जीआईडीसी नहर में मुंबई कीहाईकल केमिकल कंपनी केरासायनिक कचरे के निस्तारण के दौरान गैस कांड में ६मजदूरों की मौत हो गई और अन्य कारीगरों का स्वास्थ्य प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ. जिसमें जालसाजी,गैर इरादतन हत्या और हत्या कामामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम का उल्लंघनइस प्रकरण में आरोपी बने जयप्रताप तोमर के पिता ने किया बेटे की बीमारी

का इलाज, मां ने 30 दिन की अंतरिम जमानत के लिए किया आवेदन था जो आवेदन कोर्ट ने नामंजूर किया.

इस मामले में जेल की सजा काट रहे आरोपी जय प्रताप उर्फ गुड्डू रामकिशोर तोमर (रे. अलीशान सिटी सोसायटी,जीतली गांव, अंकलेश्वर) की मां ने कहा कि उनके पति को मधुमेह के कारण आंख और पैर में दर्द है और उनका इलाज चल रहा है. अंकलेश्वर के एक निजी अस्पताल में। उन्हें आंख और पैर के ऑपरेशन के लिए अहमदाबाद ले जाना है। इसलिए, पिता की बीमारी के इलाज के लिए आरोपी बेटे की उपस्थिति आवश्यक है, और आरोपीने ३०दिनों के लिए अंतरिम जमानत मांगी। इसका विरोध करते हुए सरकार की ओर से एपीपी नीलेश के. गोलवाला ने कहा कि आरोपी के परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित होकर इलाज करा सकते हैं.अभियुक्त के विरुद्ध अपराध के प्रावधान के दृष्टिगत आवेदन में वर्णित कारणों से अभियुक्त की उपस्थिति आवश्यक प्रतीत नहीं होती है ।अदालत ने आरोपी के फरार होने की संभावना के साथ जमानत अर्जी खारिज कर दी।